राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 26 जुलाई 2023 वर्ष–6,अंक–182 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

‘लाल डायरी’ पर सचिन पायलट की चुप्पी, गुढ़ा से बनाई दूरी ? मजबूरी या रणनीति

राजस्थान में बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा की कथित लाल डायरी पर सचिन पायलट की चुप्पी साधे हुए है। सियासी जानकार चुप्पी के अलग-अलग सियासी मायने निकाल रहे हैं। गुढ़ा पायलट कैंप के माने जाते हैं।

जयपुर। राजस्थान में बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा की कथित लाल डायरी पर सचिन पायलट की चुप्पी साधे हुए है। सियासी जानकार पायलट की चुप्पी के अलग-अलग सियासी मायने निकाल रहे हैं। जिस डायरी को लेकर राजस्थान की राजनीतिक का सियासी ताप बढ़ा हुआ है, उसे लेकर न तो सचिन पायलट बोल रहे हैं और न ही उनके कैंप के विधायक। वैसे राजस्थान की सियासत में लाल डायरी की राजनीति लंबे समय से चलती आ रही है। हाल ही में बर्खास्त हुए मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने एक बार फिर लाल डायरी की सियासत को हवा दे दी है। गुढ़ा का कहना है कि लाल डायरी में गहलोत के काले कारनामों के राज छिपे है। बर्खास्त मंत्री गुढ़ा पायलट कैंप के माने जाते हैं। पायलट की मौजूदगी में गुढ़ा कांग्रेस आलाकमान से लेकर सीएम अशोक गहलोत को निशाने पर लेते रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि साढ़े चार

तक गहलोत सरकार को घेरने वाले सचिन पायलट की चुप्पी के मायने है। पायलट जानते है कि चुनाव का समय नजदीक है।बयानबाजी से नुकसान होगा। सियासी जानकारों का कहना है कि पायलट को राजेंद्र गुढ़ा की वफादारी पर भी संदेह है?

पायलट राजेंद्र गुढ़ा से दूरी बनाकर चल रहे हैं-राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सचिन पायलट राजेंद्र गुढ़ा से दूरी बनाकर चल रहे हैं। पायलट कैंप के किसी विधायक या नेता का बयान फिलहाल नहीं आया है। बता में राहुल गांधी और खड़गे की मौजूदगी में दिल्ली में हुई सुलह के बाद सचिन पायलट पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए है। पायलट कैंप के विधायक भी चुप्प है। सियासी जानकारों का कहना है कि सचिन पायलट को कांग्रेस आलाकमान ने बड़े पद के लिए ठोस आश्वासन दिया है। शायद यही कारण हो सकता है पायलट सरकार रिपीट करने की बात कह रहे हैं। सियासी जानकारों का कहना है कि राजेंद्र गुढ़ा ने गहलोत सरकार को गिरने से बचाने में अहम भूमिका निभाई थी, लेकिन बाद में गुढ़ा पायलट कैंप की तरफ शिफ्ट हो गए। लेकिन पायलट कैंप गुढ़ा से दूरी बनाए हुए है।

बसपा से कांग्रेस में शामिल विधायकों ने छोड़ा साथ? झुंझुनूं जिले की उदयपुरवादी विधानसभा सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव जीतकर कांग्रेस में शामिल हुए राजेंद्र गुढ़ा विवादास्पद बयानों के लिए अक्सर सुर्खियों में रहे हैं। गुढ़ा 17 सितंबर 2019 को अपने 5 साथी विधायकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए थे। गुढ़ा कहते रहे हैं कि बसपा विधायक मेरी अगुवाई में कांग्रेस में शामिल हुए है। सरकार को गिराने से बचाने से लेकर राज्यसभा चुनाव तक सभी बसपा विधायक एकजुट रहे। गिर्राज सिंह मलिंगा, राजेंद्र गुढ़ा, लाखन मीना, वाजिब अली, संदीप यादव, जोगिंद्र सिंह अवाना और दीपचंद खैरिया बसपा से कांग्रेस में शामिल हुए थे। लेकिन मौजूदा दौर में जब राजेंद्र गुढ़ा सियासी संकट में फंसे हुए तो उनके साथ कोई भी विधायक खड़ा नहीं है। फिलहाल सब चुप्पी साधे हुए है।

बीएसएफ ने रामगढ़ में पाकिस्तानी मादक पदार्थ तस्कर को किया ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा सेक्टर के रामगढ़ इलाके में आज तड़के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने इलाके में मादक पदार्थों की तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए एक पाकिस्तानी तस्कर को मार गिराया है। बीएसएफ प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि बीती रात सतर्क बीएसएफ जवानों ने एक पाक तस्कर को मार गिराया, जब वह रामगढ़ सीमा क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी करने की प्रयास कर रहा था। उन्होंने बताया कि इलाके की शुरुआती तलाशी के दौरान तस्कर के शव के साथ संदिग्ध नशीले पदार्थ के के चार पैकेट मिले। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

जम्मू आधार शिविर से 3025 श्रद्धालुओं का नया जत्था अमरनाथ गुफा के लिए रवाना

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के भगवती नगर आधार शिविर से मंगलवार को 'बम बम भोले' के जयकारा लगाते हुए 3025 तीर्थयात्रियों का 23वां जत्था श्री अमरनाथ गुफा तीर्थ के लिए रवाना हुआ।

एक अधिकारी ने आज यहां बताया कि 3025 तीर्थयात्री 119 वाहनों के काफिले में आधार शिविर से रवाना हुए।

उन्होंने बताया कि 1865 तीर्थयात्रियों (1535 पुरुष, 275 महिलाएं, दो बच्चे, 48 साधु और पांच साध्वियां) का एक समूह 81 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए रवाना हुआ हैं। उन्होंने बताया कि बालटाल के लिए 1160 तीर्थयात्री, जिनमें 735 पुरुष, 421 महिलाएं और दो बच्चे शामिल है कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 38 वाहनों के काफिले में रवाना हुए। उल्लेखनीय है कि एक जुलाई से आरंभ हुई यह यात्रा 31 अगस्त का चलेगी।

गोपाल कांडा को बड़ी राहत

एयरहोस्टेस गीतिका की मौत के मामले में अदालत ने किया बरी; चला गया था मंत्री पद

नई दिल्ली। एयरहोस्टेस गीतिका शर्मा की मौत के मामले में हरियाणा के पूर्व मंत्री गोपाल कांडा बरी हो गए हैं। उन्हें अदालत ने आत्महत्या के लिए उकसाने वाले केस में दोषमुक्त करार दिया है। इस मामले के चलते गोपाल कांडा को मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। 2012 में गीतिका शर्मा ने आत्महत्या कर ली थी, जो कभी गोपाल कांड की ही एयरलाइन कंपनी में एयरहोस्टेस के तौर पर काम करती थीं और फिर उन्हें प्रमोट करके निदेशक बना दिया गया था।

दिल्ली फायर सर्विस परीक्षा में 'खेल', 13 उम्मीदवारों ने फर्जी तरीके अपनाए ? क्राइम ब्रांच करेगी जांच

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कथित तौर पर फर्जी तरीके अपनाकर दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) में कम से कम 13 लोगों के चयन के संबंध में एफआईआर दर्ज की है। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने सोमवार को बताया। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) द्वारा 20 जून को दर्ज की गई एक शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद 22 जुलाई को भारतीय दंड संहिता की धारा 419, 420 और 120बी के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। डीएफएस के निदेशक अतुल गर्ग ने कहा, हमें पता चला है कि कुछ उम्मीदवारों ने नौकरी सुरक्षित करने के लिए फर्जी तरीके अपनाए। डीएसएसएसबी के पास ऐसे उम्मीदवारों की सूची है और पुलिस में मामला भी दर्ज कराया

गया है। डीएफएस को इसके बारे में अवगत नहीं कराया गया है। चयनित अभ्यर्थियों का मेडिकल परीक्षण परीक्षण प्रक्रियाधीन है। डीएफएस अधिकारियों ने कहा कि विभाग ने दिल्ली सरकार के जरिए अग्निशमन विभाग में 800 फायर ऑपरेटरों की भर्ती के लिए 2018-19 में एक अधिसूचना जारी की थी। भर्ती प्रक्रिया 2019 के मध्य में शुरू हुई और 2022 के अंत तक 706 फायर ऑपरेटरों का चयन किया गया। अधिकारियों ने कहा कि चयन प्रक्रिया वर्तमान में अपने अंतिम चरण में है, क्योंकि चयनित उम्मीदवारों को अब मेडिकल परीक्षा के लिए बुलाया जा रहा है, जो डीएफएस में उम्मीदवारों को शामिल करने से पहले अंतिम परीक्षा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि डीएसएसएसबी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) और चयनित उम्मीदवारों के ड्राइविंग कौशल परीक्षण के दौरान ली गई बायोमेट्रिक रिपोर्ट की जांच के दौरान यह सामने आया कि कुछ उम्मीदवार परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों, कदाचार और धोखाधड़ी, प्रतिरूपण, जालसाजी और साजिश जैसी आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे। अधिकारी ने कहा कि सीबीटी और ड्राइविंग टेस्ट के दौरान ली गई लिखावट और बायोमेट्रिक्स के आधार पर ऐसे 13 उम्मीदवारों की पहचान की गई है,

मेघालय के मुख्यमंत्री कार्यालय पर हमला, पांच सुरक्षाकर्मी घायल

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा के तुरा स्थित कार्यालय पर भीड़ ने सोमवार शाम हमला कर दिया। इस हमले में मुख्यमंत्री संगमा सुरक्षित हैं, लेकिन उनके पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। हालात संभालने के लिए तुरा शहर में रात्रिकालीन कर्फ्यू लगाना पड़ा। हमले के वक्त संगमा अचिक कॉन्शियस होलिस्टिकली इंटीग्रेटेड क्रिमा और गारो हिल्स स्टेट मूवमेंट कमेटी के प्रतिनिधियों से बातचीत कर थे। दोनों संगठन के कुछ सदस्य पिछले 14 दिन से तुरा को विंटर कैपिटल बनाने की मांग करने के लिए अनशन पर हैं। मुख्यमंत्री की बातचीत करीब-

करीब पूरी हो गई थी तभी अचानक भीड़ आई और पथराव करने लगी। इससे हड़कंप मच गया। पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। भीड़ ने मुख्यमंत्री कार्यालय का गेट तोड़ने की भी कोशिश की। मुख्यमंत्री संगमा ने हिंसा में घायल सुरक्षाकर्मियों का हालचाल जाना। संगमा ने घायल सुरक्षाकर्मियों के लिए 50 हजार रुपये की मदद और इलाज का खर्च देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने कहा है यह हमला दुर्भाग्यपूर्ण है। इन संगठनों के प्रतिनिधि भी नहीं जानते कि हमलावर कौन हैं। यह बाहर से आए हुए लोग थे। इनका पता लगाया जा रहा है।

मणिपुर वायरल वीडियो मामले में सातवां आरोपी गिरफ्तार, पुलिस बोली- बाकी आरोपियों की तलाश जारी

इंफाल। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने की वारदात के मामले में पुलिस ने सातवें आरोपी को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने बताया कि आरोपी को सोमवार (24 जुलाई) शाम थोउबल से पकड़ा। 19 जुलाई को वीडियो वायरल होने के बाद पहली गिरफ्तारी 20 जुलाई को की गई थी। इन सात आरोपियों में से एक नाबालिग है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस कई इलाकों में छापेमारी कर रही है। वहीं, सोमवार देर रात मणिपुर सरकार ने असम राइफल्स से

भारत में म्यांमार नागरिकों की घुसपैठ के मुद्दे पर डिटेल रिपोर्ट मांगी है। सरकार ने असम राइफल्स से पूछा है कि कैसे सिर्फ दो दिनों (22-23 जुलाई) में 718 म्यांमार नागरिक बिना पर्याप्त दस्तावेज के भारत में घुस गए। इसमें 209 पुरुष, 208 महिलाएं और 301 बच्चे हैं।

मणिपुर में 4 मई को हुई थी पहली मौत, परिजन को अब तक शव नहीं मिला

मणिपुर ढाई महीने से हिंसा की आग में झुलस रहा है। इसमें अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जबकि 419 लोग घायल हुए हैं। मणिपुर हिंसा में पहली मौत 4 मई 2023 को हुई थी। मृतक की पहचान 21 साल के स्टूडेंट हंगलालमुआन वैफेई के रूप में हुई। उसे सीएम बीरेन सिंह के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के आरोप में 4 मई को गिरफ्तार किया गया था। चुराचांदपुर में जब पुलिस उसे लेकर जेल जा रही थी, तभी रास्ते में 800 लोगों ने गाड़ी को रोक लिया। भीड़ देखकर पुलिसकर्मी भाग गए और भीड़ ने हंगलालमुआन की पीट-पीटकर हत्या कर दी। परिजन ने बताया कि पुलिस कह रही है कि वैफेई का शव इंफाल मॉर्चुरी में है, लेकिन हिंसा के बीच हम इंफाल नहीं जा सके। पुलिस से कई बार गुहार के बावजूद अब तक पुलिस ने छात्र का शव नहीं सौंपा है।

मणिपुर के थोरबुंग में कुकी-मैतेई भिड़े, रातभर चलीं गोलियां, फायरिंग में फंसा भास्कर रिपोर्टर

मणिपुर के हालात को कवर करने पहुंचे भास्कर रिपोर्टर शनिवार (22 जुलाई) को चुराचांदपुर के पास थोरबुंग में कुकी-मैतेई के बीच क्रॉस फायर में फंस गए।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा पर दोहरी मार, यमुना-हिंडन की बाढ़ से प्रभावित गांवों के सैकड़ों लोगों ने छोड़ा घर-बार; राहत शिविरों में डाला डेरा

नोएडा। नोएडा से लेकर ग्रेटर नोएडा तक यमुना और हिंडन में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। सोमवार दोपहर तक यमुना में दो लाख और हिंडन में 28 हजार से अधिक क्यूसेक पानी बह रहा था। इस कारण कई इलाकों को खाली कराया गया। बाढ़ प्रभावित गांवों के सैकड़ों लोग राहत शिविरों में भेज दिए गए। यमुना का जलस्तर बढ़ने से एक बार फिर डूब क्षेत्र के लोगों के सामने समस्या खड़ी हो गई है। कई दिन पहले आई बाढ़ में यहां रह रहे लोगों का सारा सामान बह गया था, लेकिन सोमवार को फिर जलभराव होने से लोग बेघर हो गए। यह लोग अब सेक्टर-135 नंगली वाजिदपुर के सामुदायिक भवन से लेकर पुश्ता रोड तक फुटपाथों पर तंबू-टेंट लगाकर और राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

यमुना का जलस्तर 199.40 मीटर और हिंडन का 201.15 मीटर था। दोनों ही नदी में पानी खतरे के लाल निशान के बेहद करीब है। हिंडन और यमुना के बढ़ते जलस्तर के बीच प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित इलाकों को खाली करना शुरू कर दिया है। यमुना से करीब 53 और हिंडन से 14 गांवों में बाढ़ का खतरा है। हिंडन ने बहलोलपुर, छिजारसी, हैबतपुर, युसूफपुर और चोटपुर कॉलोनी में प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया। यहां से 150 से अधिक परिवार विस्थापित हो चुके हैं। घरों के बाहर पांच फुट तक पानी भरा है। गढ़ी

कलंजरी, कुलेरसा समेत किनारों पर बसे अन्य गांवों तक भी पानी पहुंचना शुरू हो गया है। प्रशासन ने फार्म हाउस और गोशालाएं खाली करा दी हैं। चूहड़पुर, मोमनाथल, वाजिदपुर, सेक्टर-161 समेत कई सेक्टर और गांवों का डूब क्षेत्र खाली कराया गया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आए लोगों में कई तरह की बीमारी पनपने का खतरा बढ़ गया है। अभी तक स्वास्थ्य शिविर में मिल रहे अधिकांश मरीज फंगल इंफेक्शन और बुखार के हैं। कई बुजुर्ग अपनी पुरानी बीमारी से भी पीड़ित हैं। आई फ्लू के केस भी बढ़ रहे हैं।

इन नंबरों पर संपर्क कर मदद लें

जिला प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सहूलियत और मदद के लिए दो हेल्पलाइन नंबर जारी किए है। कोई भी व्यक्ति विषम परिस्थितियों में 0121-2974274 और 9811363725 नंबर पर कॉल कर सकता है।

पहले ही सबकुछ बह गया, अब फिर बेघर हुए, पीड़ित लोगों का छलका दर्द

दरअसल, हिंडन नदी जिले के 14 गांवों से गुजरकर सेक्टर-151 मोमनाथल गांव में यमुना में मिल रही है। इससे यमुना का जलस्तर बढ़ गया है। सहारनपुर से हिंडन में लगातार पानी छोड़ा जा रहा है, जिसके फलस्वरूप यमुना में भी उफान पर है। बीते दिनों यमुना में 3.72 लाख क्यूसेक पानी होने के कारण पूरा क्षेत्र डूब गया था। पुश्ता रोड तक पांच से आठ फीट पानी भर गया। कई गोवंश की पानी में खड़े रहने के कारण मौत तक हो गई थी। ऐसे में जिला प्रशासन ने बाढ़ से निपटने के लिए डूब क्षेत्र में रविवार रात करीब दो बजे तक संघन अभियान चलाया। मुनादी के माध्यम से वहां रहने वाले लोगों को जल्द से जल्द इलाका खाली करने की चेतावनी दी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेना में मान बढ़ा रहे हैं झुंझुनू के जवान

कारगिल विजय दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

जले में इतने अधिक लोगों का सेना से जुड़ाव होने के उपरान्त भी सरकार द्वारा सैनिक परिवारों की बेहतरी व सुविधा उपलब्ध करवाने के लिये बहुत कुछ किया जाना अभी बाकी है। कारगिल युद्व के समय सरकार द्वारा घोषित पैकेज में यह बात भी शामिल थी कि हर शहीद के नाम पर उनके गांव में किसी स्कूल का नामकरण किया जायेगा मगर जिले के ऐसे कई शहीदों के नाम पर अब तक सरकार ने स्कूलों का नामकरण कई नहीं किया है।

राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के झुंझुनू जिले के अमर सपूतों की इस वीर भूमि के रणबांकुरों ने जहां स्वतंत्रता पूर्व के आन्दोलनो में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था वहीं स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सेना द्वारा लड़ी गयी लड़ाइयों में भी इस धरती की माटी में जन्मे वीरों ने समय-समय पर अपना पराक्रम दिखाया हैं। वीरों की इस धरती ने सदियों से जन्म लेते रहे सपूतों के दिलों में देशभक्ति की भावना को प्रवाहित किया हैं। देश रक्षा के लिये सेना में शहादत देना राजस्थान की परम्परा रही है। यहां के गांवों में लोकदेवताओं की तरह पूजे जाने वाले शहीदों के स्मारक इस परम्परा के प्रतीक हैं।

झुंझुनू जिले में प्रारम्भ से ही सेना में भर्ती होने की परम्परा रही हैं तथा यहां के गांवों में घर-घर में सैनिक होता था। सेना के प्रति यहां के लगाव के कारण अंग्रेजो ने यहां एक सैनिक छावनी की स्थापना कर ह्यशेखावाटी ब्रिगेड ह्यका गठन किया था। जिले के वीर जवानो को उनके शौर्यपूर्ण कारनामों के लिये समय-समय पर भारत सरकार द्वारा विभिन्न अलंकरणों से नवाजा जाता रहा हैं। अब तक इस जिले के कुल 120 सैनिकों को वीरता पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। जो पूरे देश में किसी एक जिले के सर्वाधिक हैं।

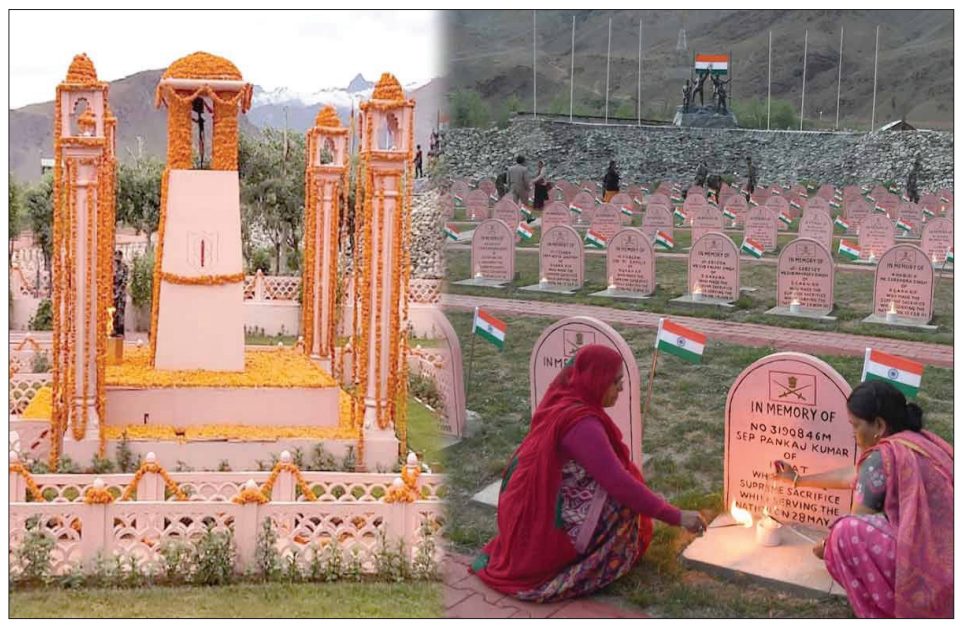

इस जिले के वीरों ने बहादुरी का जो इतिहास रचा है उसी का परिणाम है कि भारतीय सैन्य बल में उच्च पदों पर सम्पूर्ण राजस्थान की ओर से झुंझुनू जिले का ही वर्चस्व रहा है। वास्तव में यहां की धरती को यह वरदान सा प्राप्त होना प्रतित होता हैं कि इस पर राष्ट्रभक्ति के कीर्तिमान स्थापित करने वाले लाडेसर ही जन्म लेते हैं। चाहे 1948 का पाकिस्तानी कबायली हमला हो या 1962 में चीन से युद्व हो या 1965 व 1971 का भारत-पाक युद्ध। यहां के वीरों ने मातृभमि की रक्षा हेतू सदैव अपना जीवन बलिदान किया हैं। सेना के तीनो अंगो की आन की रक्षा के लिये यहां के नौजवान सैनिकों के उत्सर्ग को राष्ट्र कभी भुला नही सकता हैं।

इस क्षेत्र के सैनिकों ने भारतीय सेना में रहकर विभिन्न युद्धो में बहादुरी एवं शौर्य की बदौलत जो वीरता पदक प्राप्त कियें हैं वे किसी भी एक जिले के लिये प्रतिष्ठा एवं गौरव का विषय हो सकता हैं। सीमा युद्ध के अलावा जिले के बहादुर सैनिकों ने देश मे आंतरिक शान्ति स्थापित करने में भी सदैव विशेष भूमिका निभाई हैं। सीमा संघर्ष एवं नागा होस्टीलीटीज हो या आद्पेरेशन ब्लूस्टार या श्रीलंका सरकार की मदद हेतु किये गये आपरेशन पवन अथवा कश्मीर में चलाया गया आतंकवादी अभियान रक्षक या कारगिल युद्व। सभी अभियान में यहां के सैनिको ने शहादत देकर जिले का मान बढ़ाया हैं।

भारतीय सेना में योगदान के लिये झुंझुनू जिले का देश में अव्वल नम्बर हैं। वर्तमान में इस जिले के 45 हजार जवान सेना में कार्यरत हैं। वहीं जिले में करीबन 62 हजार भूतपूर्व सैनिक व अर्द्धसैनिक बलों के जवान हैं। आजादी के बाद भारतीय सेना की और से राष्ट्र की सीमा की रक्षा करते हुये यहां के 457 जवान शहीद हो चुके हैं। जो पूरे देश में किसी एक जिले से सर्वाधिक है। कारगिल युद्व के दौरान पूरे देश में 527 जवान शहीद हुये थे जिनमें यहां के 22 सैनिक शहीद हुये थे जो पूरे देश में किसी एक जिले से शहादत देने वालों में सर्वाधिक जवान थे। झुंझुनू जिले से अब तक 457 से अधिक सैनिक जवान सीमा पर शहीद हो चुके हैं। यहां के जवानो ने सेना के सर्वोच्च पदों तक पहुंच कर अपनी प्रतीभा का प्रदर्शन किया है। इस जिले के चित्तोसा गांव के एडमिरल विजय सिंह शेखावत भारतीय नो सेना के अध्यक्ष रह चुकें हैं वहीं स्व. कुन्दन सिंह शेखावत थल सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल व भारत सरकार के रक्षा सचिव रह चुके हैं। जे.पी.नेहरा, सत्यपाल कटेवा सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल पद से सेवानिवृत हुये हैं। इसके अलावा यहां के काफी लोग सेना में ब्रिगेडियर, कर्नल,मेजर सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत है। देश में झुंझुनू एकमात्र ऐसा जिला हैं जहां सैनिक छावनी नहीं होने के उपरान्त भी गत पचास वर्षो से अधिक समय से सेना भर्ती कार्यालय कार्यरत है। जिससे यहां के काफी युवकों को सेना में भर्ती होने का मौका मिल पाता है।

यहां के हवलदार मेजर पीरूसिंह शेखावत को 1948 के युद्व में वीरता के लिये देश का सर्वोच्च सैनिक सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया जा चुका है। परमवीर चक्र पाने वाले पीरूसिंह शेखावत देश के दूसरे व राजस्थान के पहले सैनिक थे। यहां के सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्व में भी बढ़चढ़ कर भाग लिया था। आज भी यहां द्वितीय विश्व युद्व के पूर्व सैनिकों की विधवाओं को सरकार से पेंशन मिल रही है।

जिले में इतने अधिक लोगों का सेना से जुड़ाव होने के उपरान्त भी सरकार द्वारा सैनिक परिवारों की बेहतरी व सुविधा उपलब्ध करवाने के लिये बहुत कुछ किया जाना अभी बाकी है। कारगिल युद्व के समय सरकार द्वारा घोषित पैकेज में यह बात भी शामिल थी कि हर शहीद के नाम पर उनके गांव में किसी स्कूल का नामकरण किया जायेगा मगर जिले के ऐसे कई शहीदों के नाम पर अब तक सरकार ने स्कूलों का नामकरण कई नहीं किया है। हाल ही में झुंझुनू में सैनिक स्कूल प्रारम्भ हो चुकी है जिसका लाभ सेना में जाने वाले यहां के युवाओं को मिलेगा। 24 साल पहले हमने करगिल तो जीत लिया था, लेकिन शहीदों के परिवारों के सामने आज भी समस्याओं के कई करगिल खड़े हैं। जिन पर जीत दर्ज करनी अभी बाकी हैं। सरकार द्वारा झुंझुनू जिले को देश का सैनिक जिला घोषित कर यहां के सैनिक परिवारों को सुविधाये उपलब्ध करवाने की तरफ पर्याप्त ध्यान देवे तो आज भी झुंझुनू क्षेत्र से अनेक पीरूसिंह पैदा होकर देश के लिये प्राण न्योछावर कर सकते हैं। झुंझुनू जिले के सैनिको की बहादुरी देखकर कवि ने अपनी रचना में भी झुंझुनू के वीरो का गुणगान इस प्रकार किया है।

शुरा निपजे झुंझुनू, लिया कफन का साथ ।
रण-भूमि का लाडला, प्राण हथेली हाथ ।।

संपादकीय

दोनों पक्ष छोड़ें हठधर्मिता

मणिपुर तीन महीने से जातीय हिंसा की आग में उबल रहा है। इस दौरान एक सौ से ज्यादा लोग मारे गए और हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं। यह बताने की जरूरत नहीं है कि सूबे के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह की सरकार और प्रशासन की राजनीतिक साख बुरी तरह ध्वस्त हो चुकी है, लेकिन केंद्र सरकार की सुरक्षा कवच और आशीर्वाद से अपने पद पर बने हुए हैं। संसद का मानसून सत्र से ठीक एक दिन पहले सूबे के कांगपोकली जिले में दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके सड़क पर परेड़ कराने और उनके साथ दुर्व्यवहार करने का वीड़ियो सोशल मीड़िया पर वायरल होने के बाद पूरे देश में आक्रोश फूट पड़ा। यहां यह उल्लेखनीय है कि यह घटना 4 मई की थी और इस मामले में पहली एफआईआर 18 मई को दर्ज कराई गई थी। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के बाहर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि मणिपुर की इस घटना से मेरा हृदय पीड़ा से भरा है। किसी भी सभ्य समाज के लिए यह शर्मसार करने वाली है। बेइज्जती पूरे देश की हो रही है। सर्वोच्च अदालत के प्रधान न्यायाधीश ने जल्द कदम उठाने को कहा। मणिपुर सहित पूरे देश को उम्मीद थी कि संसद के इस मानसून सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों जातीय हिंसा की आग में जल रहे इस सूबे की कानून-व्यवस्था को पटरी में लाने के लिए कोई संतोषजनक और सर्वमान्य हल निकालने के लिए चर्चा करेंगे। लेकिन मानसून सत्र के तीसरे दिन भी संसद हंगामे के कारण बाधित होता रहा। अब स्थापित रूप से यह परंपरा बन गई है कि विपक्ष सुचारू रूप से संसद को चलने नहीं देगा। मुद्दा चाहे जैसा भी हो, लेकिन विपक्ष को ठप करने का बहाना मिल जाता है। संसद के पिछले कई सत्र इस बात के साक्षी रहे हैं। इस मानसून सत्र में सरकार मणिपुर की घटना पर सदन में चर्चा कराने के लिए तैयार है। लेकिन विपक्ष इस मांग पर अड़ा हुआ है कि लोक सभा में मणिपुर मुद्दे पर चर्चा से पहले प्रधानमंत्री वक्तव्य दे, जबकि सरकार जोर दे रही है कि इस मुद्दे पर केंद्रीय गृहमंत्री बोलेंगे। राज्य सभा में विपक्ष ने नियम 267 के तहत चर्चा कराने का नोटिस दिया है, जबकि सत्ता पक्ष नियम 176 के तहत चर्चा कराना चाहती है। उच्च सदन में सरकार बहुमत में नहीं है, इसलिए वह नियम 267 के तहत चर्चा से बचना चाहती है। ऐसे में संसद के दोनों सदनों में गतिरोध बना हुआ है। अगर दोनों पक्ष जिद पर अड़े.रहे और समस्या का कोई सर्वमान्य हल नहीं निकला तो पूर्वोत्तर के अन्य राज्य भी हिंसा की चपेट में आ सकते हैं।

चिंतन-मनन

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा। हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं।

जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथै है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

मणिपुर हिंसा में राज्य सरकार की भागीदारी, होगी अपराधिक कार्यवाही?

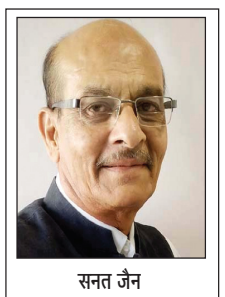

सनत जैन

मणिपुर में 3 महीने से लगातार हिंसा हो रही है। सैकड़ों नागरिक मारे जा चुके हैं। हिंसा और महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न घटनाओं की सारी दुनिया में चर्चा हो रही है। अभी भी मणिपुर की हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। हाल ही में तोरबुंग बाजार इलाके में आधुनिक हथियारों से लैस उग्रवादियों ने, 10 खाली पड़े मकानों और एक स्कूल को आग के हवाले कर दिया। मणिपुर में महिलाओं को ढाल बनाकर लगातार हिंसा की जा र?ही है। भाजपा के ही 10 विधायक लगातार मांग कर रहे हैं। कुकी बहुल जिलों में अलग प्रशासन की नियुक्ति की जाए। ताकि नागरिकों का विश्वास सरकार के प्रति बढ़े। मणिपुर की हिंसक वारदातों और यौन उत्पीड़न के वीडियो अब धीरे-धीरे करके सामने आने लगे हैं। इससे स्थिति और भी विस्फोटक होने लगी है। मणिपुर के विष्णुपुर और चुराचंदपुर के बीच लगातार 36 घंटे से फायरिंग हो रही है। सेना और पुलिस खड़े होकर वहां तमाशा देख रही है। महिलाएं हथियारों से लैस उग्रवादियों के लिए ढाल का काम कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अब इस मामले का संज्ञान ले लिया है। पिछले 4 दिन से लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही ठप्प पड़ी हुई है। कई देशों की संसद में मणिपुर की घटनाओं की चर्चा हो रही है। इसके बाद भी अभी तक मणिपुर में स्थिति को नियंत्रित नहीं किया जा सका है। भारत अपनी मजबूत सैन्य शक्ति के लिए दुनिया के देशों में जाना जाता है। मणिपुर जैसे छोटे से राज्य को भारत वहां की स्थितियों को नियंत्रित नहीं कर पा रहा है। इससे भारत की छवि पर भी विपरीत असर दुनिया के देशों पर पड़ रहा है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि 3 मई को 21 साल के छात्र हंगलाल मुआन, जो पुलिस की अभिरक्षा में था। पुलिस उसे लेकर जेल जा रही थी। मेतई समुदाय की भीड़ ने रास्ते में पुलिस की गाड़ी को रोक लिया। पुलिस वाले गिरफ्तार आरोपी को भीड़ को सौंपकर वहां से भाग गए। भीड़ ने उस छात्र की पीट-पीटकर हत्या कर दी। छात्र का शव इंफाल में रखा हुआ है। उपरोक्त छात्र को मणिपुर के मुख्यमंत्री वीरेन सिंह के खिलाफ सोशल मीडिया मे पोस्ट के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। घटना को लगभग 3 महीने होने जा रहे हैं। अभी तक उसके परिजनों को उसका शव नहीं सौंपा जा सका है। पहली बार संवैधानिक पद पर विराजमान मुख्यमंत्री के खिलाफ इस बात के पर्याप्त सबूत सामने आ रहे हैं, कि उन्होंने एक समुदाय विशेष को संरक्षण दिया है। हिंसा को अनदेखा करते हुए,अपने राजनीतिक एवं निजी हितों के लिए संवैधानिक पद की जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं किया है। पुलिस की कस्टडी में जब युवक की, भीड़ द्वारा हत्या की गई थी। उस मामले में भी ढाई महीने तक कोई कार्यवाही ना होना, हजारों नागरिकों को जान बचाने शरणार्थी शिविरों में पहुंचना, ऐसे स्पष्ट उदाहरण हैं,जिसमें शासन की लापरवाही और मिलीभगत स्पष्ट रूप से उजागर हो रही है। यही मणिपुर की अशांति का सबसे बड़ा कारण है। शासन और प्रशासन से जब नागरिकों का विश्वास उठ जाता है। उस समय स्थितियों पर नियंत्रण कर पाना बड़ा मुश्किल होता है। मणिपुर की घटनाओं से स्पष्ट है, कि शासन और प्रशासन का विश्वास जनता के बीच में बहाल करना है। तो मणिपुर का शासन और प्रशासन निष्पक्ष हाथों में आए। लोगों को भरोसा हो, कि उनकी जान-माल की रक्षा होगी। तभी जाकर मणिपुर की स्थिति को नियंत्रण में लाया जा सकता है। केंद्र सरकार ने अभी तक मणिपुर की सरकार को बर्खास्त नहीं किया है। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार संवैधानिक पद पर रहते हुए उन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन नहीं किया है। मुख्यमंत्री को पद से हटाए जाने के साथ-साथ उनके ऊपर अपराधिक कार्यवाही भी शासन और प्रशासन को करनी चाहिए। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में है। अतः इस मामले में सुप्रीम कोर्ट क्या कार्यवाही करता है। किस तरह से मणिपुर की जनता का विश्वास, न्यायपालिका शासन और प्रशासन पर फिर से स्थापित हो। इसमें सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए वीरेन सिंह की भूमिका को लेकर अब हर स्तर पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मणिपुर की घटना का असर,अब पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में देखने को मिल रहा है। इसके लिए समय रहते कार्यवाही की जरूरत है। केंद्र सरकार को तत्काल मणिपुर सरकार को बर्खास्त करने की कार्यवाही करनी चाहिए।

दलबदल : जनादेश का सम्मान भी बस कहने भर के लिए रह गया

संजय सिंह

हाल के वर्षों में भारत में चुनी हुई सरकारों को दल बदल के माध्यम से गिरा देना और विपक्ष द्वारा सत्तारूढ़ दल के विधायकों को अपने साथ लाकर सत्ता को अस्थिर कर देने का एक चलन सा बन गया है।

भारत में जनादेश का कोई मतलब अब दिखाई नहीं देता। जनादेश का सम्मान भी बस कहने भर के लिए रह गया है। वर्तमान में राजनीति में आकांक्षाएं व महत्त्वाकांक्षाएं अपने चरम पर हैं और सत्ता में बने रहने की चाह दलबदल को तेजी से बढ़ा रही है। मतदाता भले ही किसी दल की विचारधारा से प्रभावित होकर किसी को वोट करे, लेकिन यह जरूरी नहीं की चयनित विधायक या सांसद उसी दल में रहे।

मतदाता जिस दल के लिए एकजुट होकर वोट करते हैं, वही दल दूसरे या तीसरे दल की तरफ हो जाते हैं। मतदाता का किसी राजनीतिक दल या नेता से व्यक्तिगत लगाव हो सकता है, किसी गठबंधन से भी मतदाता के सार्वजनिक हित जुड़े हो सकते हैं, लेकिन उस पार्टी या गठबंधन से चुना हुआ नेता उसे छोड़कर किसी और दल में जाता है तो इससे मतदाता के वोट का कोई मतलब नहीं रह जाता है। अधिकांशतः दलबदल केवल निजी स्वाथरे के कारण ही होता है। पद, पैसा या महत्त्वाकांक्षा के कारण ही दलबदल होता है, लेकिन इसमें हमारा यानी वोटर का हित कहां है? हम इसे समझना ही नहीं चाहते। दुखद है कि लोकतंत्र के इस बिगड़ते स्वरूप को बचाने के लिए कोई आगे नहीं आ रहा है।

पिछले दिनों महाराष्ट्र में जो हुआ उसने तो राजनीति में खरीद-फरोख्त की एक नई इबारत लिख दी है। विचारधारा की दृष्टि से बिल्कुल अलग गठजोड़ अब दिखाई देने लगे हैं। महाराष्ट्र की राजनीति दलबदल की बड़ी प्रयोगशाला बन गई है। वहां पिछले कुछ महीनों के राजनीतिक घटनाक्रम बताते हैं कि नैतिकता और जन हित की पैरोकारी की दुहाई देने वाले नेता सत्ता हथियाने को कैसे रंग ढंग बदलते हैं। कई राज्यों में बहुमत वाली सरकारें दल बदल के कारण अल्पमत में आई, बाद में उस दल की सरकार बनी जिसे जनता ने सरकार बनाने का जनादेश नहीं दिया था। कर्नाटक और मध्यप्रदेश में भी विधायकों के इस्तीफे दिए जाने के कारण सरकारे अल्पमत में आई।

मौजूदा दल बदल कानून विधायकों को इस्तीफा देने से नहीं रोकता है। सैद्धांतिक तौर पर भी देखा जाए तो सांसद अथवा विधायक के तौर पर निर्वाचित व्यक्ति यदि इस्तीफा देकर दूसरे दल में शामिल होता है तो वह गलत नहीं माना जा सकता। विधायकों और सांसदों के दल बदल में अब यही पैटर्न देखने को मिल रहा है, लेकिन निकायों के प्रतिनिधि दल को छोड़े बगैर ही क्रॉस वोटिंग के जरिए अपनी प्रतिष्ठा को दांव पर लगा रहे हैं। आने वाले दिनों में भारत के 5 राज्यों में चुनाव होना है जहां अक्टूबर में आचार संहिता लागू हो जाएगी। अभी से राज्यों में दलबदल की आशंका दिखाई पड़ने लगी है। दो दल मिलकर चुनाव लड़ते हैं और जीतते हैं तो सरकार बनाते वक्त धुर विरोधी दल से मिल जाते हैं।

मतदाता के पास कोई अधिकार नहीं है कि वह इसका विरोध कर सके। यकीनन यह उसके मताधिकार का अपमान होता है। नेताओं को सत्ता में हिस्सा चाहिए इसीलिए दलबदल किया जाता है, हालांकि राजनीतिक दलों की दलील होती है कि जनता की खुशहाली के लिए राज्य के विकास के लिए फैसला लिया गया। एक वक्त था जब दलबदल को राजनीति में बहुत ही हेय दृष्टि से देखा जाता था। दल बदलते तो थे मगर खुद को असली पार्टी बताने का दावा नहीं करते थे। इस दलबदल के खेल में सबसे अधिक फायदा छोटे दलों को हो रहा है, जो मोलभाव करने में सबसे अधिक फायदा उठा रहे हैं। महाराष्ट्र में पहले शिवसेना के एकनाथ शिंदे और अब राकंपा के अजित पवार इस राजनीति के अगुआ हैं।

वहीं राजनीति में अब नए तरह का प्रचलन देखने को मिल रहा है। ताकतवर दल दूसरे दलों के बीच दो फाड़ करने में माहिर हो रहे हैं। छोटे दलों में कई तरह के स्वार्थ लाभ और भय उन्हें दलबदल करने के लिए मजबूर बना रहे हैं। कहा जा रहा है कि सरकारी एजेंसियों के छापे के डर से ऐसा हो रहा है। सवाल उठता है कि आखिर नेता छापे से डरते क्यों हैं? अगर बात साफ-साफ है तो मीडिया या सीबीआई क्या बिगाड़ लेगी, लेकिन वे जानते हैं कि बात इतने भर की नहीं है। वे जानते हैं कि जांच एजेंसियों के पास इतने सारे पेच होते हैं कि उनमें उलझाया जा सकता है। कायदे से इनमें चुनाव आयोग को दखल देना चाहिए। कुछ जानकारों का कहना है कि सर्वोच्च अदालत को भी हस्तक्षेप करना चाहिए। चुनाव सुधार के मामले में शीर्ष अदालत पहले भी अहम फैसले दे चुका है। अब दलबदल कानून पर भी कोर्ट को सख्त रु ख अपनाने की जरूरत है ताकि राजनीतिक पार्टियां इसका दुरु पयोग न कर सके। देश में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म लगातार मुहिम चला रहा है। देश में अभी सांसद और विधायकों के दलबदल को रोकने वाला ही कानून लागू है बावजूद इसके देश में बड़ी संख्या में विधायक दलबदल करते नजर आ रहे हैं। नेताओं की विचारधारा सत्ता में बने रहने की है जिसके चलते राजनीति में शुचिता कम हो रही है। दलबदल के चलते लोकतांत्रिक मूल्यों में भारी गिरावट को देखा जा सकता है जो आने वाले समय में लोकतंत्र के लिए हानिकारक साबित होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टीवीएस का मुनाफा 40.9 प्रतिशत बढ़ा

चेन्नई । गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी टीवीएस क्रेडिट सर्विसेज लिमिटेड ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में उसका मुनाफा 40.9 प्रतिशत बढ़कर 117 करोड़ रुपए हो गया। टीवीएस क्रेडिट सर्विसेज ने पिछले वर्ष की इसी तिमाही के दौरान 83 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय सालाना आधार पर 868 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,353 करोड़ रुपए हो गई। इस दौरान प्रबंधन के तहत संपत्ति बढ़कर 21,924 करोड़ रुपए हो गई।

सरकार ने चीनी कंपनी को संयंत्र लगाने की नहीं दी अनुमति

नई दिल्ली । भारत सरकार ने चीन की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) निर्माता कंपनी बीवाईडी के एक अरब डॉलर (करीब 8,200 करोड़ रुपए) के निवेश से ई-वाहन संयंत्र लगाने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। कंपनी ने अपनी भारतीय भागीदार मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) के साथ मिलकर तेलंगाना में ई-वाहन उत्पादन संयंत्र लगाने का प्रस्ताव दिया था। सूत्रों ने बताया कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय को यह प्रस्ताव भेजा गया था। इस प्रस्ताव को जरूरी पड़ताल एवं मंजूरी के लिए भारी उद्योग मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के पास भी भेजा गया था। सरकार के स्तर पर इस प्रस्ताव के तमाम पहलुओं पर विचार करने के बाद इसे मंजूरी नहीं देने का फैसला किया गया है। इस संबंध में बीवाईडी और एमईआईएल ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पावर फाइनेंस के शेयर उच्च स्तर पर

नई दिल्ली । ऊर्जा क्षेत्र की वित्ते त पोषण कंपनी पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के शेयर 244 रुपए प्रति शेयर के साथ अपने ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। पिछले 13 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों में काफी उछाल देखा गया है। जून 2022 में इसके शेयर की कीमत 97.15 रुपए के निचले स्तर तक गिरने के बाद इसमें करीब 150 प्रतिशत की तेजी देखी गई है। वहीं, स्टॉक पी/ई अनुपात 3.98 है। कंपनी देश के बिजली क्षेत्र में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का वित्तपोषण करती है। इसकी पेशकशों में परियोजना अवधि ऋण, उपकरण की खरीद के लिए पट्टा वित्तपोषण, उपकरण निर्माताओं को लघु/मध्यम अवधि ऋण, ऋण पुनर्वित्त आदि के रूप में फंड-आधारित उत्पाद शामिल हैं। गैर-निधि आधारित उत्पादों में विलंबित भुगतान गारंटी, सुविधा पत्र (एलओसी), ऋण वृद्धि की गारंटी के लिए नीति आदि शामिल हैं।सोमवार को कंपनी के 12.03 लाख शेयरों की खरीद-बिक्री हुई।

एथनॉल बनाने के लिए एफसीआई गोदाम से नहीं मिल रहा चावल!

नई दिल्ली । एथनॉल बनाने के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के गोदामों से चावल मिलना बंद होने की खबर है। एथनॉल बनाने वाली डिस्टिलरियों ने यह शिकायत करते हुए बताया कि पिछले एक हफ्ते से उन्हें चावल नहीं मिल रहा है। इससे ईंधन में एथनॉल मिलाने का देश का महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम लड़खड़ा सकता है। चावल की आपूर्ति रुकने से देश में करीब 100 डिस्टिलरियों का एथनॉल उत्पादन प्रभावित हो सकता है। इन डिस्टिलरियों में एथनॉल बनाने के लिए चावल का इस्तेमाल होता है, जो एफसीआई से ही आता है। वे चावल को स्टार्च में बदलती हैं, जिससे एथनॉल तैयार किया जाता है। उद्योग भागीदारों ने बताया कि कुछ डिस्टिलरी दो तरह का कच्चा माल इस्तेमाल करती हैं। चीनी के सीजन में गन्ने से एथनॉल बनाया जाता है और साल के बाकी महीनों में अनाज का इस्तेमाल होता है। मगर उन पर भी असर पड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक एफसीआई ने आधिकारिक तौर पर इस निर्णय के पीछे का कारण नहीं बताया मगर माना यही जा रहा है कि अनाज की बढ़ती कीमतों और 2023-24 फसल वर्ष में कम बारिश और उसके बाद बाढ़ के कारण धान की उपज कम रहने की आशंका में ही ऐसा किया गया है। पिछले सप्ताह निर्यात पर प्रतिबंध भी इन्हीं दो कारणों से लगाया गया है। संपर्क करने पर एफसीआई के आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें ऐसे किसी निर्देश की जानकारी नहीं है।

शेयर बाजार में मिला-जुला कारोबार

मुम्बई ।

घरेलू बाजार में मंगलवार को सपाट कारोबार हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही इंट्रा-डे कारोबार में आये उतार-चढ़ाव से भी घरेलू शेयर बाजार में मिश्रित कारोबार रहा। कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 29.07 अंक करीब 0.04 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ ही 66,355.71 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,559.29 की ऊंचाई तक जाने के बाद 66,177.62 तक गिरा। दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 8.25 अंक तकरीबन 0.04 फीसदी बढ़कर दिन के अंत में 19,680.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,729.35 की उंचाई तक गया और 19,615.95 तक फिसला। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 14 शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए। जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाइटन सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं सबसे ज्यादा लाभ जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 3.33 फीसदी तक ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 16 शेयर नुकसान के साथ ही गिरावट पर बंद हुए। एशियन पेंट्स, आईटीसी, लार्सन एंड टूब्रो, एसबीआई और इंडसइंड बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त पर खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 50 अंक बढ़कर 66,458 के स्तर पर कारोबार करता दिखा और एनएसई निफ्टी 30 अंक बढ़कर 19,700 पर पहुंच गया। प्री-ओपनिंग में शेयर बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 111.75 अंक की बढ़त के साथ 66,496.53 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 72.20 अंक की बढ़त के साथ 19740.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर अमेरिका बाजार कल हल्की बढ़त के साथ बंद हुए। इस बीच एशिया-प्रशांत बाजारों में भी मिश्रित रुख देखा गया।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की कमजोरी के बीच ही मंगलवार को रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ ही 85.88 पर बंद हुआ। वहीं मंगलवार को शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे बढ़कर 81.67 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने हालांकि कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 81.74 पर खुला और फिर बढ़त के साथ 81.67 के स्तर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 14 पैसे की मजबूती दिखाता है। रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले 81.81 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी गिरकर 101.25 पर आ गया।

इनकम टैक्स विभाग ने एक लाख टैक्सपेयर्स को भेजे नोटिसः वित्त मंत्री

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इनकम टैक्स विभाग ने एक लाख से अधिक टैक्सपेयर्स को इनकम टैक्स नोटिस जारी किया है। यह नोटिस आईटीआर दाखिल न करने और गलत इनकम की जानकारी देने के कारण जारी किया गया है। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि इन नोटिस को उन टैक्सपेयर्स को भेजा गया है जिनकी इनकम 50 लाख से अधिक है। ऐसे में सरकार को उम्मीद है कि इस वित्त वर्ष के अंत तक सभी बकाया टैक्स को क्लियर कर लिया जाएगा। उनके मुताबिक आईटी डिपार्टमेंट इन नोटिस को सुलझाने के लिए तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही पिछले कुछ सालों में इनकम टैक्स की दरों में बढ़ोतरी नहीं हुई है लेकिन इससे इनकम टैक्स कलेक्शन में इजाफा जरूर हुआ है। देश के आयकर दिवस के अवसर पर दिल्ली के विज्ञान भवन में वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। गौरतलब है कि आयकर विभाग द्वारा टैक्सपेयर्स को कुल दो कैटेगरी नोटिस भेजा है। पहले वह लोग है जिन्होंने इनकम छुपाकर कम टैक्स भरा है और दूसरे लोग वह जिन्होंने टैक्स की देनदारी होते हुए भी आईटीआर फाइल नहीं किया है। बता दें कि ज्यादातर मामले उन लोगों के हैं जिसकी कमाई 50 लाख रुपए सालाना से अधिक है। यह सभी मामले 4 से 6 साल तक पुराने हो सकते हैं।

शेयर बेचते ही अकाउंट में आ जाएगा पैसा?

- शेयर बाजार में होने वाले सौदों का निपटान फौरन ही होने लगेगा

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में ट्रेडिंग करने वालों के लिए अच्छी खबर है। अब उन्हें ट्रेड सेटलमेंट के लिए एक दिन का भी इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अभी निवेशकों को शेयर बाजार के ट्रांजैक्शन के सेटलमेंट को पूरा करने के लिए अगले ट्रेडिंग सेशन यानी टी+1 का इंतजार करना पड़ता है, लेकिन जल्द ही शेयर बाजार में होने वाले सौदों का निपटान फौरन ही होने लगेगा। इसके तहत शेयर बेचते ही तुरंत उनके अकाउंट में पैसा आ जाएगा। साथ ही अगर आप शेयर खरीदते हैं तो वे उसी दिन आपके डीमैट अकाउंट में आ जाएंगे। मार्केट रेगुलेटर सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने कहा कि रेगुलेटर शेयर बाजारों में ट्रांजैक्शन का इंस्टैंट सेटलमेंट लागू करने की प्रक्रिया पर काम कर रहा है। वह दिन अधिक दूर नहीं है जब शेयर बाजार में होने वाले सौदों का निपटान फौरन ही होने लगेगा। सेबी शेयर बाजार में क्रिक ट्रांजैक्शन सेटलमेंट यानी टी+0 व्यवस्था बनाने के लिए सभी साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। ऐसा होने पर सौदों के निपटान में लगने वाला समय घट जाएगा। टी+1 सेटलमेंट अपनाने वाला भारत पूरी दुनिया के पहले देशों में शामिल है। इसका मतलब ये हुआ कि कोई भी निवेशक शेयर खरीदता है तो उसके अगले ही दिन उसके डिमैट खाते में शेयर्स ट्रांसफर कर दिए जाते हैं या फिर कोई निवेशक शेयर बेचता है तो अगले ही दिन उसके बैंक खाते में पैसे क्रेडिट कर दिए जाते हैं। म्यूचुअल फंड की यूनिट्स का अलॉटमेंट भी निवेशकों को जल्द होगा। बुच ने कहा कि मार्केट रेगुलेशन, डेवलपमेंट पर फोकस है। दुनिया के अधिकांश विकसित देशों में टी+2 व्यवस्था है जबकि भारत ने इस साल जनवरी से पूरी तरह टी+1 व्यवस्था लागू कर दी थी। सेबी साथ ही डीलिस्टिंग नियमों की समीक्षा कर रहा है। बुच ने बताया कि इसको लेकर जल्द नए कंसल्टेशन पेपर जारी किए जाएंगे। एक्सचेंज से कंपनी के शेयर को हटाने की प्रक्रिया डीलिस्टिंग कहलाती है। अगर आसान शब्दों में कहें तो डीलिस्ट के बाद शेयर एक्सचेंज में ट्रेड नहीं हो सकता है। हालांकि सेबी चीफ ने इस पर ज्यादा कुछ भी बोलने से इंकार किया।

सोना हुआ महंगा, चांदी की कीमत भी बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारतीय सर्राफा बाजार में मांग बढ़ने के साथ ही सोने और चांदी के दाम भी धीरे-धीरे बढ़ते जा रहे हैं। मंगलवार को सर्राफा बाजार में सोने के दाम में 10 रुपए प्रति दस ग्राम का इजाफा देखने को मिला। जबकि चांदी का भाव 200 रुपए प्रति किलोग्राम बढ़ गया। इसी के साथ भारतीय सर्राफा बाजार में सोना (22 कैरेट) बढ़कर 54,423 रुपए प्रति दस ग्राम चला गया. जबकि 24 कैरेट वाले गोल्ड के दाम 59,370 रुपए प्रति दस ग्राम हो गए। वहीं चांदी की कीमत 74,480 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं। मल्टी कमॉडिटी एक्सचेंज पर सोना 10 रुपए की बढ़त के साथ 59,086 रुपए प्रति दस ग्राम पर ट्रेंड कर रहा है, जबकि एमसीएक्स पर सोने 59,120 के उच्चतर और 59,041 के न्यूनतम स्तर तक कारोबार कर चुका है। जबकि चांदी की कीमत यहां 215 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़त के साथ 74,311 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई हैं। इससे पहले यहां चांदी 74,379 के उच्चतर स्तर और 74,241 के न्यूनतम स्तर पर कारोबार कर चुकी हैं।

दिल्ली में 22 कैरेट वाला सोना 54,248 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है, जबकि 24 कैरेट वाला गोल्ड यहां 59,180 रुपए प्रति दस ग्राम में मिल रहा है। जबकि चांदी की कीमत यहां 74,180 रुपए प्रति किलोग्राम चल रही है। मुंबई में सोना 22 कैरेट 54,340 रुपए प्रति दस ग्राम में बिक रहा है। जबकि 24 कैरेट शुद्धता वाला गोल्ड यहां 59,280 रुपए प्रति दस ग्राम चल रहा है।

वहीं चांदी यहां 74,330 रुपए प्रति किलोग्राम है। कोलकाता में 22 कैरेट वाला सोना 54,267 रुपए प्रति 10 ग्राम और 24 कैरेट वाला गोल्ड 59,200 रुपए प्रति दस ग्राम पर है। वहीं मुंबई में चांदी का भाव 74,230 रुपए है। चेन्नई में सोना 22 कैरेट 54,496 तो 24 कैरेट गोल्ड 59,450 रुपए प्रति दस ग्राम में मिल रहा है। जबकि चेन्नई में चांदी के दाम 74,560 रुपए प्रति किलोग्राम चल रहे हैं।

यूज्ड कार का मार्केट भी कर रहा तेजी से ग्रो

नई दिल्ली । भारत में यूज्ड कार मार्केट भी काफी तेजी से ग्रो कर रहा है। भारी अवसरों को देखते हुए लेक्सस कंपनी यूज्ड कार मार्केट में एंट्री करने जा रही है। लेक्सस इंडिया के अध्यक्ष नवीन सोनी ने कहा कि ऑटोमेकर अब एक स्ट्रक्चर्ड प्री ओन्ड कार प्रोग्राम की शुरुआत पर गंभीरता से विचार कर रहा है। कंपनी डीलर पार्टनर की व्यावसायिक व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए चुनिंदा आउटलेट्स में कार्यक्रम शुरू करेगी। इस साल के अंत तक या फिर अगले साल की शुरूआत से ही सेकेंड हैंड बाजार में लेक्सस खुद उतरने के लिए तैयार है।कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार, लेक्सस कार निर्माता लेक्सस अगले साल से भारत में सेकंड हैंड कार व्यवसाय में प्रवेश करना चाह रही है। लेक्सस ने अब भारतीय बाजार में छह साल पूरे कर लिए हैं।

तेलंगाना का किसान टमाटर बेचकर बन गया करोड़पति

- 1 करोड़ रुपए की अन्य फसल कटाई के लिए तैयार

हैदराबाद ।

तेलंगाना के मेडक जिले में एक किसान ने पिछले एक महीने के दौरान टमाटर बेचकर 2 करोड़ रुपए कमाकर जैकपॉट हासिल किया है, जबकि 1 करोड़ रुपए की अन्य फसल कटाई के लिए तैयार है। मेडक जिले के कौडिपल्ली मंडल के मोहम्मद नगर के एक किसान टमाटर की आसमान छूती कीमत के कारण रातों-रात करोड़पति बन गए। बाजार में टमाटर की कीमत 150 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंचने और पड़ोसी आंध्र प्रदेश और अन्य स्थानों में मदनपल्ले से पर्याप्त आपूर्ति की कमी के कारण किसान ने हैदराबाद बाजार में मांग को पूरा किया। उन्होंने थोक बाजार में उपज को 100 रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से बेचा। पिछले एक महीने के दौरान उन्होंने टमाटर के लगभग 8,000 डिब्बे बेचे, जिनमें से प्रत्येक का वजन 25 किलोग्राम से अधिक था। स्कूल छोड़ने वाला 40 वर्षीय किसान सभी के लिए एक आदर्श बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने किसान दंपत्ति को एक ही सीजन में 3 करोड़ रुपये की टमाटर की फसल उगाने के लिए बधाई दी। नरसापुर विधायक चिलुमुला मदन रेड्डी के साथ किसान ने सचिवालय में मुख्यमंत्री केसीआर से मुलाकात की। महिपाल रेड्डी ने सीएम को समझाया कि वे पहले ही 2 करोड़ रुपये की टमाटर की फसल बेच चुके हैं और 1 करोड़ रुपये की दूसरी फसल कटाई के लिए तैयार है। सीएम ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना के किसानों को भारी मुनाफे के लिए व्यावसायिक फसलों की खेती में नवीनता से सोचना चाहिए।

उन्होंने भारी पैदावार के लिए टमाटर की खेती में नई तकनीक अपनाने के लिए कियसप की सराहना की।

मारुति की दो बजट कारों में बड़ी खराबी सामने आई

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मारुति सुजुकी की दो बजट कारो में बड़ी खराबी सामने आई है। जिसके बाद कंपनी ने आनन फानन में 87599 यूनिट्स को रिकॉल किया है। ये दोनों कारें है एस प्रेसो और ईको. कंपनी के अनुसार 5 जुलाई 2021 से लेकर 15 फरवरी 2023 के बीच बनी इन दोनों ही कारों में बड़ी खराब की शिकायत मिली है जिसके बाद इन कारों को कंपनी ने सही करने के लिए वर्कशॉप पर रिकॉल किया है। जल्द ही सभी गाड़ियों को सही कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि इसी साल ये तीसरी बार है जब कंपनी को अपनी गाड़ियां रिकॉल करनी पड़ रही हों। जानकारी के अनुसार इन दोनों ही कारों की स्टीयरिंग रॉड में लगातार खराबी की शिकायत आ रही थी, जिसके बाद कंपनी ने गाड़ियों को टेस्ट किया और स्टीयरिंग रॉड की खराबी का पता चला है। कंपनी के अनुसार स्टीयरिंग रॉड के एक हिस्से में कुछ खराबी सामने आई है। इसके 5 जुलाई 2021 से 15 फरवरी 2023 के बीच बनी सभी गाड़ियों की इस कमी को सही किया जा रहा है। स्टीयरिंग रॉड में किसी भी तरह की खराबी आने पर स्टीयरिंग हार्ड हो जाता है यानि उसे घुमाने में दिक्कत होती है। साथ ही कार को घुमाने के दौरान स्टीयरिंग से आवाज भी आने लगती है। धीरे धीरे स्टीयरिंग की हार्डनेस बढ़ जाती है और ये अचानक गाड़ी को मोड़ने के दौरान खतरनाक भी हो सकता है। अब कंपनी एस प्रेसो और ईको में आई इस खराबी को लोगों से बिना कोई पैसा लिए सही करेगी।

यूपी-हरियाणा में बदल गए पेट्रोल-डीजल के दाम

ब्रेंट क्रूड बगैर किसी बदलाव के 82.75 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को बेहद मामूली बढ़त देखने को मिल रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.08 डॉलर बढ़कर 78.82 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड खबर लिखे जाने तक बगैर किसी बदलाव के 82.75 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। गुजरात में पेट्रोल और डीजल की कीमत 56 पैसे और कम हुई है। इसी तरह हरियाणा में पेट्रोल 24 और डीजल 23 पैसे सस्ता हुआ है। उत्तर प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है। दूसरी और राजस्थान में पेट्रोल 55 पैसे और डीजल 50 पैसे महंगा हुआ है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में भी पेट्रोल की कीमत में 44 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। यहां डीजल भी 41 पैसे उछला है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.73 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपए और डीजल 90.14 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपए और डीजल 89.66 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

स्मार्ट वियरेबल हेल्थ-ट्रैकिंग डिवाइस पेश

-इसके जरिए यूजर्स अपने बायोमैट्रिक्स को कर सकेंगे ट्रैक

नई दिल्ली ।

भारत में बोट स्मार्ट रिंग वियरेबल फिटनेस ट्रैकर पेश किया गया है। ये एक स्मार्ट वियरेबल हेल्थ-ट्रैकिंग डिवाइस है, जिसे रिंग वाले फॉर्म में बनाया गया है। इस नई रिंग के जरिए यूजर्स अपने बायोमैट्रिक्स को ट्रैक कर सकेंगे। कंपनी ने कहा है कि ये एक लाइटवेट डिवाइस है, जिसे आसानी से लंबे समय तक पहना जा सकेगा। ये कंपनी की पहली स्मार्ट रिंग होगी। कंपनी ने कंफर्म किया है कि जल्द ही इस स्मार्ट रिंग की कीमत का ऐलान किया जाएगा। ग्राहक इसे कंपनी की ऑफिशियल साइट, फ्लिपकार्ट और अमेजन से खरीद पाएंगे।

इसे 5 एटीएम वाटर और स्वेट रेजिस्टेंस के साथ उतारा गया है। इस लंबे समय तक पहने जा सकने के लिए खास तरह से डिजाइन किया गया है। साथ ही लुक का भी ध्यान रखान रखा गया है। बाकी फिटनेस ट्रैकर की तरह बोट स्मार्ट रिंग के जरिए डेली फिजिकल एक्टिविटीज जैसे स्टेप्स, डिस्टेंस और कैलोरी को दिनभर ट्रैक किया जा सकेगा. खास बात ये भी है कि ये एक मेन्स्ट्रुअल ट्रैकर के तौर पर भी काम करेगी।

इससे महिलाओं को पीरियड को ट्रैक करने में आसानी रहेगी। ये रिंग से ऐप से कनेक्ट होकर डेटा शो करेगी। बोट ने इस रिंग को इस तरह बनाया है कि ये स्विमिंग और वर्कआउट सेशन्स के भी काम आएगी।ये यूजर्स के हार्ट रेट, बॉडी टेम्परेचर, ब्लड ऑक्सीजन लेवल को भी ट्रैक करेगी। ये स्मार्ट रिंग स्लीप पैटर्न को भी ट्रैक करेगी। ये स्लीप ड्यूरेशन से लेकर स्लीप स्टेज तक सबकुछ बताएगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ ड्रॉ मैच के बाद भारत डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसका

दुबई। (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ बारिश के कारण दूसरा मैच ड्रॉ पर छूटने के बाद भारत विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की नवीनतम तालिका में दूसरे स्थान पर खिसक गया है। भारत ने इस तरह से दो मैचों की श्रृंखला 1-0 से जीती लेकिन बारिश ने उसकी क्लीन स्वीप करके डब्ल्यूटीसी के तीसरे चक्र के लिए कुछ महत्वपूर्ण अंक जुटाने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। डब्ल्यूटीसी के पहले दो चक्र में फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम ने डोमिनिका में खेला गया पहला टेस्ट मैच पारी और 141 रन से जीत कर नए चक्र की शानदार शुरुआत की थी। दूसरे टेस्ट में मैच के चौथे दिन वेस्टइंडीज ने 365 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए दो विकेट पर 76 रन बनाए थे।

भारत को सोमवार को मैच के आखिरी दिन आठ विकेट की जरूरत थी लेकिन बारिश के कारण पूरे दिन का खेल रद्द हो गया। इस ड्रा से भारत की जीत-हार का प्रतिशत प्रभावित हुआ, जो 100 से घटकर 66.67 रह गया है। पिछले सप्ताह गॉल में श्रीलंका पर चार विकेट की जीत के बाद पाकिस्तान 100 प्रतिशत जीत-हार के रिकॉर्ड के साथ शीर्ष पर काबिज है। एशेज श्रृंखला खेल रहे मौजूदा डब्ल्यूटीसी चैंपियन ऑस्ट्रेलिया (54.17) और इंग्लैंड (29.17) क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। भारत के खिलाफ ड्रॉ से वेस्टइंडीज को फायदा हुआ है और उसकी जीत-हार का प्रतिशत बढ़कर 16.67 हो गया है और वह पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। श्रीलंका एक हार के साथ नौवें स्थान पर है। पिछले महीने शुरू हुए नए 2023-25 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश ने अभी कोई मैच नहीं खेला है।

आर्यन नेहरा ने 800 मीटर फ्रीस्टाइल में 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय' की बराबरी की

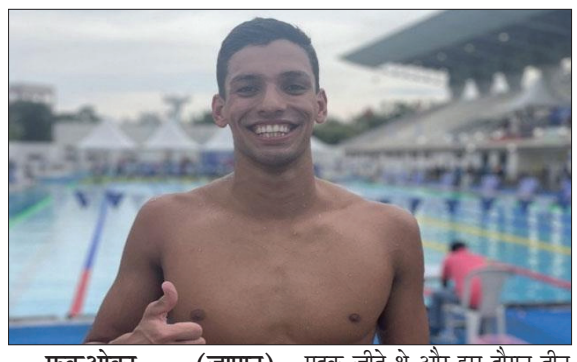

फुकुओका (जापान) (एजेंसी)। युवा तैराक आर्यन नेहरा ने मंगलवार को यहां तैराकी विश्व चैंपियनशिप की 800 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में 27वें स्थान पर रहते हुए 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय' की बराबरी की। उन्नीस साल के आर्यन ने हीट (शुरुआती दौर) में आठ मिनट 0.76 सेकेंड का समय लेकर अद्वेत पेज के 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय' की बराबरी की।

आर्यन ने इसके साथ ही आठ मिनट 1.81 सेकेंड के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में भी सुधार किया जो उन्होंने इसी महीने हैदराबाद में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान बनाया था। आर्यन हालांकि फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे क्योंकि हीट से सिर्फ शीर्ष आठ तैराकों को फाइनल में जगह मिली। गुजरात के आर्यन ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदक जीते थे और इस दौरान तीन राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए थे। आर्यन इस हफ्ते 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में भी हिस्सा लेंगे।

तैराकी में राष्ट्रीय एक्वाटिक चैंपियनशिप के दौरान किए गए प्रदर्शन को ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड माना जाता है। अन्य प्रतियोगिताओं में हासिल किए गए समय को 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय' कहा जाता है। मंगलवार को प्रतिस्पर्धा पेश करने वाले एक अन्य तैराक साजन प्रकाश 200 मीटर बटरफ्लाई में एक मिनट 58.07 सेकेंड के समय के साथ 23वें स्थान पर रहे। केरल के इस तैराक का इस स्पर्धा में निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन एक मिनट 56.38 सेकेंड है। इसके साथ ही दो बार के ओलंपिक साजन का अभियान खत्म हो गया। वह 50 मीटर बटरफ्लाई में 91 तैराकों के बीच 57वें स्थान पर रहे थे।

भारतीय टीम सही राह पर, सिराज ही नहीं सभी गेंदबाज अपनी जिम्मेदारी निभाएं : रोहित

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की तारीफ करते हुए कहा है कि उन्होंने अनुभवी गेंदबाजों के नहीं होने पर भी टीम में अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई। सिराज ने तेज गेंदबाजों की सहायक नहीं होने पर भी दूसरे टेस्ट की पहली पारी में पांच विकेट लिए थे। रोहित ने साथ ही कहा कि भारतीय टीम सही राह पर है।

दूसरे टेस्ट में लगातार बारिश के कारण पांचवें और अंतिम दिन का खेल रद्द होने के बाद मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। वेस्टइंडीज ने इस मैच में जीत के लिए मिले 365 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन का खेल समाप्त होने पर पर दो विकेट पर 76 रन बना लिए थे। रोहित ने पुरस्कार समारोह में कहा, 'हम सही जगह पर हैं। यह काम पूरा करने के बारे में है। यह पूछे जाने पर कि क्या सिराज तेज आक्रमण की अगुवाई करने के लिए तैयार हैं, रोहित ने कहा कि वह नहीं चाहते कि केवल एक तेज गेंदबाज इस तरह की भूमिका निभाए। उन्होंने कहा, 'सिराज को मैंने उसके करियर की शुरूआत से देखा है। उसने काफी सुधार किया है। उसने इस तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व किया है पर मैं नहीं चाहता कि कोई एक इसका का नेतृत्व करे। मैं चाहता हूं कि जिसे भी गेंद सौंपी जाए वह इसका नेतृत्व करें। आप चाहते हैं कि पूरी तेज गेंदबाजी इकाई इस जिम्मेदारी को मिलकर निभाए। भारतीय टीम को दूसरे टेस्ट में जीत के लिए आठ विकेट की जरूरत थी लेकिन बारिश के कारण टीम की उम्मीदें पूरी नहीं हो पायीं। उन्होंने कहा, 'हर जीत अलग होती है। वेस्टइंडीज में खेलते समय अलग तरह की चुनौती का सामना करना होता है। मैं टीम के प्रदर्शन से खुश हूं।

आईसीसी रैंकिंग : हरलीन देओल और जेमिमा रोड्रिग्स को हुआ फायदा

दुबई (एजेंसी)। भारत की हरलीन देओल और जेमिमा रोड्रिग्स बांग्लादेश के खिलाफ हाल में संपन्न श्रृंखला में प्रभावी प्रदर्शन की बदौलत नवीनतम आईसीसी महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में आगे बढ़ने में सफल रहीं। तीसरा और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच विवादास्पद हालात में टाई रहने के बाद भारत और बांग्लादेश ने श्रृंखला साझा की।

अंतिम एकदिवसीय मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई हरलीन 32 स्थान के फायदे से 51वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि दूसरे एकदिवसीय में 86 रन की मैच विजयी पारी खेलने वाली जेमिमा 41 स्थान की लंबी छलांग के साथ 55वें पायदान पर हैं। हरलीन अंतिम एकदिवसीय में 77 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं। इस मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मैदानी अंपायरों पर निशाना साधा था।

हरमनप्रीत को आईसीसी से सजा मिलने की संभावना है। उन्होंने अंपायरों पर निशाना साधने के अलावा आउट करार दिए जाने के बाद बल्ला स्टंप पर मारकर उपकरणों को नुकसान भी पहुंचाया था।

अनुभवी दीप्ति शर्मा नौवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। स्नेह राणा तीन स्थान के फायदे से 38वें पायदान पर हैं।

पिछले मंगलवार को टॉन्टन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला चैंपियनशिप श्रृंखला के अंतिम एकदिवसीय मैच में शतक जड़कर अपनी टीम को जीत दिलाने वाली इंग्लैंड की ऑलराउंडर नताली स्किवर ब्रंट करियर में पहली बार बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने में सफल रही। स्किवर ब्रंट ने 129 रन की पारी से पहले नाबाद 111 रन भी बनाए थे जिससे वह बेथ मूनी को पछाड़ने में सफल रहीं। उन्होंने ऑलराउंडर की सूची के शीर्ष पर भी वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज पर 39 अंक की बढ़त बना ली है।

ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एशलेग गार्डनर ऑलराउंडर की सूची में दो स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। उन्होंने बल्लेबाजी और गेंदबाजी सूची में भी अपनी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की। वह बल्लेबाजों की रैंकिंग में चार स्थान के फायदे से 21वें जबकि गेंदबाजों की रैंकिंग में पांचवें स्थान पर हैं। बल्लेबाजों की सूची में इंग्लैंड की डैनी वाट (तीन स्थान के फायदे से 18वें) और ऑस्ट्रेलिया की ताहलिया मैकग्रा (दो स्थान के फायदे से 13वें) जबकि गेंदबाजी सूची में इंग्लैंड की ऑफ स्पिनर चार्ली डीन (दो स्थान के फायदे से 13वें) भी आगे बढ़े हैं।

बांग्लादेश की फरगाना हक और नाहिदा अख्तर ने भी करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की है। फरगाना के 565 रेटिंग अंक हैं जो बांग्लादेश की किसी महिला बल्लेबाज के सर्वाधिक अंक हैं। वह शीर्ष 20 (19वें स्थान) में जगह बनाने वाली देश की पहली खिलाड़ी हैं। उन्होंने मीरपुर में भारत के खिलाफ अंतिम वनडे में 107 रन की पारी खेली।

पाकिस्तान ने श्रीलंका पर बनाई बढ़त ; बारिश के कारण खेल रूका

कोलंबो - पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट मैच की अपनी पहली पारी में मंगलवार को श्रीलंका पर मामूली बढ़त हासिल कर ली, लेकिन लगातार बारिश के कारण लंच का विश्राम समय से पहले कर दिया गया। पाकिस्तान की टीम ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 145 रन से की। टीम ने श्रीलंका की पहली पारी के 166 रन के स्कोर को पीछे छोड़ा और जब उसका स्कोर दो विकेट पर 178 रन था तब भारी बारिश के कारण खिलाड़ियों को मैदान से बाहर जाना पड़ा। दिन के पहले सत्र में सिर्फ 43 मिनट का खेल हो सका। पाकिस्तान ने इस दौरान इस दौरान 9.5 ओवर में 33 रन बनाए। बारिश के कारण खेल रोके जाते समय सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक 87 और कप्तान बाबर आजम 28 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। अबरार अहमद (69 रन पर चार विकेट) और नसीम शाह (41 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन से पाकिस्तान ने पहले दिन श्रीलंका को 166 रन पर आउट कर दिया था। पाकिस्तान ने दो मैचों की इस श्रृंखला में गॉल में खेले गये पहले टेस्ट को चार विकेट से जीता था।

बांग्लादेश में खराब व्यवहार के लिए हरमनप्रीत पर प्रतिबंध लगा सकता है आईसीसी

दुबई। बांग्लादेश में तीसरे एकदिवसीय मैच में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के खराब व्यवहार पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने नाराजगी व्यक्त की है।। इस मामले में आईसीसी उनपर दो एकदिवसीय मैचों के लिए प्रतिबंध लगाने के साथ ही चार नकारात्मक अंक भी उनके खाते में दर्ज कर सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी आचार संहिता नियमों के तहत, जब कोई खिलाड़ी 24 महीने की अवधि के अंदर चार या अधिक नकारात्मक अंक प्राप्त करता है, तो उसे निलंबन अंकों में बदलकर उस खिलाड़ी पर प्रतिबंध लगाया जाता है। वहीं दो निलंबन अंक मिलने पर एक टेस्ट या दो एकदिवसीय या दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिये प्रतिबंध लगाया जा सकता है। भारतीय महिला टीम को अब अपना अगला मुकाबला एशियाई खेलों में खेलना है। आईसीसी रैंकिंग के आधार पर भारतीय टीम को सीधे क्वार्टरफाइनल में प्रवेश मिला है। चार नकारात्मक अंक मिलने पर हरमनप्रीत क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल से बाहर रह सकती हैं। इसका मतलब यह है कि अगर भारतीय टीम फाइनल तक पहुंचती है तो हरमनप्रीत सीधा खिताबी मुकाबले में मैदान पर उतरेंगी। मीरपुर के शेर-ए-बंगला स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में पगबाधा आउट दिये जाने के फैसले से नाराज हरमनप्रीत ने बल्ला विकेटों पर मार दिया था। इसके बाद पवेलियन लौटते हुए उनकी अंपायर के साथ भी बहस हो गयी थी। यह मैच अंततः टाई रहा और तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा था कि वह अगले बांग्लादेश दौरे पर ध्यान रखेंगी कि उन्हें मेज़बान टीम के अलावा इस तरह की अंपायरिंग का भी सामना करना है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मैदान पर किये गये बर्ताव के लिये हरमनप्रीत को तीन नकारात्मक अंक मिलेंगे, जबकि प्रेजेंटेशन में अंपायरों की आलोचना के लिए उन्हें एक अंक अंक मिलेगा। मैच अधिकारियों ने आईसीसी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पास अपनी रिपोर्ट जमा कर दी है।

एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए हॉकी इंडिया ने किया 18-सदस्यीय टीम का ऐलान

मैनचेस्टर (एजेंसी)। नई दिल्ली - हॉकी इंडिया ने 2023 एशियाई खेलों से पहले होने वाली हीरो एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी के लिये 18-सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में बताया कि टूर्नामेंट में शीर्ष ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह भारत की कप्तानी करेंगी जबकि मिडफील्डर हार्दिक सिंह टीम के उप-कप्तान होंगे। पीआर श्रीजेश और कृष्ण बहादुर पाठक टीम के नामित गोलकीपर हैं, जबकि जरमनप्रीत सिंह, सुमित, जुगराज सिंह, वरुण कुमार और अमित रोहिदास डिफेंस में हरमनप्रीत का साथ देंगे। विवेक सागर प्रसाद, शमशेर सिंह और नीलकंठ शर्मा हार्दिक की अगुवाई वाली मिडफील्ड में शामिल हैं।

प्रो लीग के यूरोपीय चरण में टीम का हिस्सा रहने के बाद मनप्रीत सिंह एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी के लिये मिडफील्ड में वापसी करेंगे। फॉरवर्ड लाइन में आकाशदीप

सिंह, मनदीप सिंह, गुरजंत सिंह, सुखजीत सिंह और एस कार्ती शामिल हैं। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर कहा, 'हमने सावधानीपूर्वक एक ऐसी टीम चुनी है जिसमें आगे बढ़ने और एशइयाई चैंपियन्स ट्रॉफी चेन्नई 2023 में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है।'

उन्होंने कहा, 'चेन्नई में आगामी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चुनी गई भारतीय पुरुष टीम में युवाओं और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है। यह टीम के लिये एक रोमांचक चरण है क्योंकि हम कल स्पेन में स्पेनिश हॉकी फेडरेशन की 100वीं वर्षगांठ पर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट शुरू कर रहे हैं और इस टूर्नामेंट के बाद हीरो एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी चेन्नई 2023 में घरेलू मैदान पर खेलने के लिये सीधे चेन्नई के लिए उड़ान भरेंगे। चुने गये खिलाड़ी इस अवसर से उत्साहित हैं और अपने उत्साही घरेलू प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए उत्सुक हैं।' तमिलनाडु के चेन्नई में 12 अगस्त से होने वाले टूर्नामेंट के पूल चरण में भारत का सामना कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और चीन से होगा। चीन के हांग्झोउ में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी के लिये यह टूर्नामेंट महत्वपूर्ण होगा।

श्रीकांत जीत के साथ ही जापान ओपन के 16 वें दौर में पहुंचे, आकर्षी हारी

टोक्यो । भारत के किदांबी श्रीकांत जीत के साथ ही जापान ओपन 2023 बैडमिंटन टूर्नामेंट के 16 वें दौर में पहुंच गये हैं। श्रीकांत ने चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन को पुरुष एकल में 21-13, 21-13 से हराकर 16 वें दौर में जगह बनायी। श्रीकांत और चेन का ये मुकाबला 43 मिनट तक चला।। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रहे श्रीकांत अब 16 वें दौर में अपने ही देश के एचएस प्रणय और ऑल इंग्लैंड 2023 चैंपियन चीन के ली शी फेंग के बीच होने वाले मैच के विजेता खिलाड़ी से मुकाबला करेंगे। हालाँकि महिला एकल में आकर्षी कश्यप शुरुआती दौर में ही शीर्ष वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची के हाथों 17-21, 17-21 से हार के साथ ही बाहर हो गयीं। वहीं मिश्रित युगल में भारत के ही रोहन कपूर और सिक्की रेड्डी को चीनी ताइपे के ये होंग वेई और ली चिया सीन के हाथों 21-18, 9-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

फीफा महिला विश्व कप - एलेक्जेंड्रा के शानदार प्रदर्शन से जर्मनी ने मोरक्को को 6-0 से हराया

मेलबर्न । कप्तान एलेक्जेंड्रा पॉप के शानदार प्रदर्शन से जर्मन ने फीफा महिला विश्वकप के अपने पहले ही मैच में मोरक्को को 6-0 से हरा दिया। एलेक्जेंड्रा ने इस मैच में दो शानदार गोल दागे। दो बार की चैंपियन जर्मनी की टीम इससे पहले फीफा महिला विश्व कप में अपने पिछले 24 ग्रुप-स्टेज मैचों में से केवल एक मैच में हारी थी। वहीं पहली बार प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही मोरक्को उसके सामने सामने टिक नहीं पायी। जर्मनी की ओर से पहला गोल कप्तान एलेक्जेंड्रा ने 11वें मिनट में करने के साथ ही अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलायी। वहीं हाफ टाइम से ठीक पहले एक और हेडर के साथ ही जर्मनी को 2-0 की बढ़त मिल गयी । क्लारा बुहल ने दूसरे हाफ के पहले मिनट में ही गोल कर अपनी टीम की बढ़त को और बढ़ा दिया। मोरक्? को के खिलाड़ियों ने दबाव के बीच ही दो आत्मघाती गोल किए। इस प्रकार टीम 5-0 से पिछड़ गयी। वहीं शूलर ने इंजुरी टाइम में एक गोल दागकर अपनी टीम को बड़ी जीत दिलाई।

हर टेस्ट में तेजी से रन बनाना जरूरी नहीं, यह परिस्थितियों पर निर्भर: इशान किशन

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। भारतीय विकेटकीपर इशान किशन ने टेस्ट क्रिकेट में मैच की स्थिति के अनुसार बल्लेबाजी करने की वकालत करते हुए कहा कि उन्हें नहीं लगता कि हर पांच दिवसीय मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करने की जरूरत है। वेस्टइंडीज दौरे पर टेस्ट में पदार्पण करने वाले इशान ने दूसरे मैच की दूसरी पारी में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 34 गेंद में नाबाद 52 रन बनाये थे। भारतीय टीम ने इस दौरान 7.54 के रन रेट से दो विकेट पर 181 रन बनाकर पारी घोषित की थी। मैच के बाद किशन से जब तेजी से बल्लेबाजी करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'यह जरूरी नहीं है कि आप हर मैच में फटाफट क्रिकेट खेलने लगें। यह स्थिति पर निर्भर होना चाहिए। पिचों की परिस्थिति भी इसमें भूमिका निभाती है कि कोई कितनी तेजी से रन बना सकता है।' मैच के चौथे दिन वेस्टइंडीज ने 365 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए दो विकेट पर 76 रन बनाए थे। पांचवां दिन पूरी तरह से बारिश की भेंट चढ़ गया। इशान ने कहा, 'अगर आपको ऐसा विकेट मिलता है जहां आप तेजी से रन बना सकते हैं और टीम को इसकी जरूरत है तो इस (भारतीय) टीम में हर खिलाड़ी उस भूमिका को निभाने की क्षमता रखता है।' उन्होंने कहा, 'हमारे पास जिस तरह के खिलाड़ी हैं और हम जितने प्रारूपों और मैचों में खेलते हैं, हर कोई अपनी भूमिका जानता है कि किस मैच को किस तरह से खेलना है। व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है, हर मैच को इस तरह (आक्रामक बल्लेबाजी) खेलने की जरूरत नहीं है। यह मैच की परिस्थितियों पर निर्भर होना चाहिए।' इशान को भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा और जब उनसे इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हर खिलाड़ी का व्यक्तित्व अलग होता है। यह कुछ के लिए निराशाजनक हो सकता है, लेकिन अन्य खिलाड़ी इसे एक चुनौती के रूप में ले सकते हैं कि 'मैं उस स्तर तक पहुंचने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रहा हूं'।' उन्होंने कहा, 'अगर किसी और को टीम में चुना जाता है और वह प्रदर्शन करता है तो मैं उसकी सराहना करता हूं क्योंकि मुझे पता है कि यह खेल कितना कठिन है, मानसिक रूप से आपकी परीक्षा कैसे होती

है, जब इतनी उम्मीदें और दबाव हो तो वह प्रदर्शन करना कितना कठिन होता है।' उन्होंने कहा, 'इसलिए, जब भी मैं टीम से बाहर पर होता हूं या नहीं खेलता हूं तो मेरी कोशिश होती है कि मैं अपने अभ्यास पर ध्यान केंद्रित करूं ताकि जब भी मुझे मौका मिले, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकूं।'

एम्बाप्पे को अल हिलाल ने दिया रिकार्ड 2725 करोड़ रुपये का प्रस्ताव

सिडनी । अंतरराष्ट्रीय स्तपर अपनी जगह बनाने सऊदी अरब के फुटबॉल क्लब अल हिलाल ने फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे को अपने साथ जोड़ने के लिए अपना खजाना खोल दिया है। हिलाल ने एम्बाप्पे को अब की सबसे ज्यादा रकम 30 करोड़ यूरो करीब 2725 करोड़ रुपये देने की पेशकश की है। एम्बाप्पे अभी फ्रांसीसी क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) से खेलते हैं। हिलाल क्लब का ये प्रस्ताव पाकिस्तान के पिछले साल के खेल बजट से तीन गुना ज्यादा है। गत वर्ष पाक का खेल बजट 1900 करोड़ रुपये के करीब था, जबकि एम्बाप्पे को जो राशि मिलनी है वह कहीं ज्यादा है। गौरतलब है कि विश्व कप 2018 विजेता टीम के सदस्य रहे एम्बाप्पे का पीएसजी के साथ अभी अनुबंध विवाद चल रहा है, क्योंकि उन्होंने अपने अनुबंध में 12 महीने बढ़ाने का विकल्प नहीं लेने का फैसला किया है। इस जगह उनकी योजना आगामी सत्र के अंत में 'फ्री एजेंट' बनने की है। इससे यह भी अनुमान हैं कि वह स्पेनिश क्लब रियाल मैड्रिड से जुड़ सकते हैं। फ्रांस का क्लब नया अनुबंध नहीं होने पर एम्बाप्पे को छोड़ने के लिए तैयार है। अगर ऐसा हुआ तो अल-हिलाल की बोली से एम्बाप्पे इतिहास के सबसे महंगे फुटबॉलर बन जाएंगे। इससे पहले सऊदी अरब के ही एक क्लब ने क्रिस्टियानों रोनाल्डो को भारी भरकम राशि देकर अपने साथ जोड़ा थी। वहीं 2017 में नेमार के लिए पीएसजी ने 262 मिलियन डॉलर खर्च किए थे। उस समय टीम ने नेमार को 2017 में बार्सिलोना से अनुबंधित किया था। वहीं रोनाल्डो ने दिसंबर में अल-नासेर के साथ एक करार किया था। उसके बाद करीम बेंजेमा, एंजेलो कांटे और रॉबर्टो फिरमिनो भी सऊदी अरब के बड़े नामों में भारी भरकम राशि में शामिल हुए। वहीं पीएसजी छोड़ने के बाद मेसी ने अल-हिलाल की पेशकश ठुकराते हुए एमएलएस टीम इंटर मियामी से करार किया था।

सात्विक-चिराग की जोड़ी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर पहुंची

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी कोरिया ओपन जीतने के बाद मंगलवार को बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन महासंघ) की नवीनतम रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर पहुंच गयी। सात्विक और चिराग ने इस रैंकिंग सूची में लिआंग वेई केंग और वांग चांग की चीन की जोड़ी की जगह ली। भारतीय जोड़ी ने कोरिया ओपन के सेमीफाइनल में केंग और चांग की जोड़ी को हराया था। मौजूदा सत्र में कोरिया ओपन (सुपर 500), स्विस ओपन (सुपर 300) और इंडोनेशिया ओपन (सुपर 1000) खिताब जीतने वाली एशियाई चैंपियन जोड़ी के नाम अब 87,211 अंक हैं।

सात्विक और चिराग ने रविवार को साल का अपना चौथा फाइनल (कोरिया ओपन) खेलते हुए फजर अल्फियान और मोहम्मद रियान आर्दियांतो की इंडोनेशिया की शीर्ष वरीय जोड़ी पर 17-21 21-13 21-14 की जीत दर्ज की थी। राष्ट्रमंडल खेलों के विजेता भारतीय जोड़ी की यह बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर में लगातार 10वीं जीत थी। कोरिया ओपन से जल्दी बाहर होने वाली दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू महिला एकल रैंकिंग में अपना 17वां स्थान बरकरार रखने में सफल रही हैं। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल हालांकि एक स्थान खिसककर 37वें स्थान पर आ गई हैं। एचएस प्रणय भारत के शीर्ष रैंक के एकल शटलर बने हुए हैं। पुरुष एकल रैंकिंग में 10वें स्थान पर हैं। कनाडा ओपन विजेता लक्ष्य सेन ने कोरिया ओपन भाग नहीं लिया था, जिससे उन्हें रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है। वह अब 13वें नंबर पर आ गए हैं, वहीं फॉर्म से जूझ रहे किदांबी श्रीकांत 20वें स्थान पर बने हुए हैं।

चाइल्ड काउंसलर बनकर संवारें अपना भविष्य

एक चाइल्ड काउंसलर के पास संभावनाओं की कमी नहीं है। वह स्कूल से लेकर हॉस्पिटल्स तक में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनजीओ व बच्चों के लिए काम कर रही संस्थाओं में उनकी आवश्यकता होती है। वहीं आप स्पेशल स्कूल्स या बाल सुधार गृह में भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आज के तनावपूर्ण जीवन में सिर्फ बड़े ही नहीं, बल्कि बच्चे भी कई तरह की परेशानियों जैसे माता-पिता व अन्य लोगों से रिश्ते, एग्जाम प्रेशर व पीयर प्रेशर आदि से दो-चार होते हैं। यहां सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि वह अपनी परेशानी किसी से शेयर नहीं करते और कई बार तो अपनी परेशानियों को मन में ही रखने के कारण वह अवसादग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में उनकी परेशानियों को समझकर उन्हें अंधेरे से निकालकर उजाले में लाने का काम करते है चाइल्ड काउंसलर। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर व्यक्ति को दूसरों की सहायता करके एक अजीब सी संतुष्टि का अनुभव होता है।

क्या होता है काम

एक चाइल्ड काउंसलर बच्चों के व्यवहार और भावनात्मक मुद्दों पर उनकी सहायता प्रदान करते हैं। साथ ही वह बच्चों के डेवलपमेंट मुद्दों जैसे चिंता, नींद, पर्सनैलिटी डिसआर्डर व ईटिंग डिसआर्डर को भी दूर करते हैं। उनका मुख्य काम पहले बच्चों के साथ एक रिश्ता विकसित करना होता है ताकि वह अपने मन की उन बातों को भी साझा करें, जिसे वह किसी से भी नहीं कह पाते। इसके बाद वह उनकी बातों को सुनकर व उसके हाव-भावों के जरिए उसके मन की परेशानी को गहराई से समझते हैं। वह न सिर्फ बच्चों को काउंसिल करता है, बल्कि समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए पैरेंट्स को भी काउंसिल करते हैं। जिससे माता-पिता बच्चों के मन की बात समझकर उनके लिए सपोर्ट सिस्टम बन सकें।

स्किल्स

जो लोग एक सफल चाइल्ड काउंसलर बनना चाहते हैं, उनमें कम्युनिकेशन स्किल्स व इंटरपर्सनल स्किल्स काफी अच्छे होने चाहिए। इसके अतिरिक्त उसमें बच्चे को आसानी से सहज करने व बेहतरीन तालमेल बिठाने की भी क्षमता होनी चाहिए। अगर आप सच में एक बेहतरीन चाइल्ड काउंसलर बनने की इच्छा रखते हैं तो आपको तटस्थ व निष्पक्ष होकर बच्चे की बातों को सुनना व समझना चाहिए। अधिकतर बच्चे अपने दोस्तों या माता-पिता को महज इसलिए अपनी बात नहीं बताते क्योंकि उन्हें लगता है कि वह उनकी बात नहीं समझेंगे या फिर उन्हें गलत समझेंगे। ऐसा अनुभव उन्हें चाइल्ड काउंसलर की बातों से नहीं होना चाहिए। आपके भीतर यह क्षमता होनी चाहिए कि आप बच्चों को यह विश्वास दिला सके कि आप उनकी बातों को सुनेंगे, जज नहीं करेंगे।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए 12वीं के बाद साइकोलॉजी में बैचलर डिग्री कर सकते हैं। साइकोलॉजी में ग्रेजुएशन करने के बाद आप साइकोलॉजी में मास्टर डिग्री या पीजी डिप्लोमा इन गाइडेस व काउंसिलिंग कर सकते है। इसके बाद एमफिल या पीएचडी भी की जा सकती है।

संभावनाएं

एक चाइल्ड काउंसलर के पास संभावनाओं की कमी नहीं है। वह स्कूल से लेकर हॉस्पिटल्स तक में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनजीओ व बच्चों के लिए काम कर रही संस्थाओं में उनकी आवश्यकता होती है। वहीं आप स्पेशल स्कूल्स या बाल सुधार गृह में भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं। वहीं आप खुद का सेंटर भी खोलकर काम कर सकते हैं।

आमदनी

अगर वेतन की बात की जाए तो इसमें सैलरी से अधिक मानसिक संतुष्टि को महत्व दिया जाता है। वहीं एक स्कूल में नियुक्त काउंसलर 15000 से 20000 रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। वहीं एक अनुभवी चाइल्ड काउंसलर की सैलरी एक बड़े स्कूल में 25000 से 30000 तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त अगर आप किसी प्रतिष्ठित प्राइवेट हॉस्पिटल में काम कर रहे हैं तो आपकी सैलरी 30000 या उससे अधिक हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- अंबेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- पंजाब यूनिवर्सिटी, पंजाब
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ काउंसिलिंग, नई दिल्ली

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी के अवसर और स्कोप

नैनोटेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है।

नैनोटेक्नोलॉजी क्या होती है?

नैनोटेक्नोलॉजी विज्ञान और प्रौद्योगिकी का वह फील्ड है जिसमें नैनोकणों और सामग्रियों को विकसित किया जाता है, जिनका आकार नैनोमीटर की सीमा के भीतर होता है। नैनोटेक्नोलॉजी एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो लगभग हर तकनीकी अनुशासन - रसायन विज्ञान से लेकर कंप्यूटर विज्ञान तक - अत्यंत सूक्ष्म सामग्रियों के अध्ययन और अनुप्रयोग में संलग्न है। यह अकादमिक और शोध से संबंधित शीर्ष रैंक वाले विषयों में से एक है। नैनोटेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है। यह हमारे जीवन में क्रांति लाने और कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और चिकित्सा में हमारी समस्याओं के तकनीकी समाधान प्रदान करने की विशाल क्षमता के साथ अनुसंधान के क्षेत्र का तेजी से विस्तार कर रहा है।

मास्टर पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में एमएससी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एमएससी
- नैनोटेक्नोलॉजी में एमटेक
- सामग्री विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी में एमटेक
- नैनो प्रौद्योगिकी और नैनो सामग्री में एमटेक

डॉक्टरेट पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी

नैनोटेक्नोलॉजी डिग्री क्या है?

यह भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और आणविक जीव विज्ञान के साथ एक बहु-विषयक प्राकृतिक विज्ञान पाठ्यक्रम है।

पाठ्यक्रम और पात्रता

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा स्नातकोत्तर स्तर और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। भारत में कोई भी संस्थान नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान नहीं करता है। मैटेरियल साइंस, मैकेनिकल, बायोमेडिकल, केमिकल, बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर साइंस में बीटेक डिग्री या भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी रखने वाले उम्मीदवार नैनो टेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं। नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी या सामग्री विज्ञान / यांत्रिक / जैव चिकित्सा / रसायन / जैव प्रौद्योगिकी / इलेक्ट्रॉनिक्स / कंप्यूटर विज्ञान में बीटेक उत्तीर्ण होना चाहिए।

पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को मैकेनिकल, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस आदि में एमटेक या फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैटेरियल साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस आदि में एम.एससी पास होना चाहिए। उम्मीदवार 5 साल की अवधि के लिए नैनो टेक्नोलॉजी (डुअल डिग्री) में बीटेक + एमटेक भी चुन सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी का स्कोप क्या है?

आने वाली पीढ़ियों में इसका बहुत बड़ा स्कोप है। आईटी और इंटरनेट की तुलना में यह तीसरा सबसे अधिक फलता-फूलता क्षेत्र है। भारत में बैंगलोर और चेन्नई आईटी और मेडिसिन के विनिर्माण केंद्र हैं। भारत सरकार ने पहले ही नैनोसाइंस और नैनो टेक्नोलॉजी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग जैसी विभिन्न फंडिंग एजेंसियों को शुरू कर दिया है।

नैनोटेक्नोलॉजी के लिए करियर विकल्प क्या हैं?

नैनोटेक्नोलॉजी में विशेषज्ञ या वैज्ञानिकके के रूप में नौकरी मिल सकती है। जिन क्षेत्रों में नैनोटेक्नोलॉजिस्ट रोजगार की तलाश कर सकते हैं उनमें जैव प्रौद्योगिकी, कृषि, भोजन, आनुवंशिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान आदि में भी नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं। पीएचडी वाले उम्मीदवार विश्वविद्यालयों और कॉलेजों या अनुसंधान क्षेत्रों में संकाय सदस्यों के रूप में भी शामिल हो सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी में जॉब रोल्स क्या हैं?

- नैनोटेक्नोलॉजिस्ट
- वैज्ञानिक
- शोधकर्ता
- प्रोफेसर
- खाद्य वैज्ञानिक
- इंजीनियर चिकित्सा वैज्ञानिक

उद्योग / कंपनियां / जो इन पेशेवरों को नियुक्त करते हैं :

- इलेक्ट्रॉनिक्स / सेमीकंडक्टर उद्योग
- विनिर्माण उदयोग
- जैव प्रौद्योगिकी
- दवाइयों
- चिकित्सा क्षेत्र
- पर्यावरण
- विश्वविद्यालयों
- उत्पाद आधारित कंपनियां (खाद्य)
- अनुसंधान प्रयोगशाला

वेतन

फ्रेशर के लिए लगभग 20,000/- से 30,000 रुपये प्रति माह और अनुभवी उम्मीदवारों के लिए 1 लाख रुपये प्रति माह के वेतन की उम्मीद की जा सकती है।

नैनोटेक्नोलॉजी ऑफर करने वाले भारत के शीर्ष कॉलेज :

- भौतिकी विभाग, आईआईएससी, बैंगलोर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्कूल, एनआईटी, कालीकट
- एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो-टेक्नोलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा

सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस सेक्रेटरी से मैनेजर तक

सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और पर्सनल सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस कोर्स करके आप महत्त्वपूर्ण पदों पर बैठे अधिकारियों के पर्सनल सेक्रेटरी बनने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए अनेक शॉर्ट टर्म और डिग्री कोर्स उपलब्ध हैं।

वैश्वीकरण के बाद जिस तेजी से ऑफिस की कार्यप्रणाली और स्वरूप बदला है, ऑफिस सेकेट्ररी और पर्सनल सेक्रेटरी की भूमिका भी अहम होती जा रही है। सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और पर्सनल सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस कोर्स में दाखिला लेकर आप ऑफिस सेकेट्ररी या पर्सनल सेकेट्ररी बन कर एक अच्छा करियर बना सकते हैं। ऑफिस सेकेट्ररी किसी ऑफिस में प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों को मैनेज करने में अहम भूमिका निभाता है। महत्त्वपूर्ण पदों पर बैठे व्यक्तियों के पर्सनल सेक्रेटरी बन कर आप उनके डेली रूटीन तथा ऑफिस शड्यूल को मैनेज करते हैं। देश के विभिन्न विश्वविद्यालय और प्राइवेट संस्थान सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा तथा डिग्री कोर्स ऑफर करते हैं।

योग्यता तथा पढ़ाई

शॉर्ट टर्म कोर्स में प्रवेश लेने के लिए दसवीं तथा कुछ संस्थानों के लिए बारहवीं पास होना आवश्यक है। इस क्षेत्र में आगे की पढ़ाई मसलन डिग्री तथा डिप्लोमा कोर्स करने के लिए बारहवीं पास होना अनिवार्य योग्यता है। इन कोर्सों के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल का होना अतिआवश्यक है। इन कोर्सों का मुख्य उद्देश्य छात्र को सेक्रेटरी के उत्तरदायित्वों को समझाना, सेक्रेटेरियल कार्यों के लिए गुणों का विकास करना, संगठन या ऑफिस की कार्यप्रणाली को समझाना तथा कंप्यूटर, इंटरनेट, फैक्स आदि ऑफिस में प्रयोग होने वाले उपकरणों को ऑपरेट करना सिखाया जाता है। शॉर्ट टर्म कोर्स में शॉर्ट हैंड, टाइपराइटिंग, कंप्यूटर बेसिक्स, बिजनेस कम्युनिकेशन तथा पर्सनेलिटी डेवलपमेंट विषय पढ़ाए जाते हैं। लेकिन डिप्लोमा तथा डिग्री कोर्सो में इन विषयों के अलावा मैनेजमेंट, अकाउंट, कंपनी लॉ और बैंकिंग सर्विसेज विषयों के बारे में जानकारी दी जाती है।

संभावनाएं

कोर्स करने के बाद सरकारी तथा प्राइवेट क्षेत्रों में सभी तरह के दफ्तरों में सेक्रेटरी की जॉब मिलती है। लेकिन हाल में मल्टीनेशनल, पब्लिक सेक्टर कंपनियों तथा होटल्स में स्किल्ड सेकेट्ररी और ऑफिस सेकेट्ररी के जॉब की अपार संभावनाएं हैं। बैकों, वित्तीय संस्थानों, लॉजिस्टिक फर्म तथा ट्रैवल एजेंसी में भी सेक्रेटरी के रूप में जॉब कर सकते हैं। अपनी योग्यता तथा अनुभव से आप सेक्रेटरी से जॉब शुरू करके ऑफिस मैनेजर बन सकते हैं।

उत्तर कोरिया ने दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

सियोल । दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर में दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। बयान में कहा गया, सेना ने सोमवार रात 11.55 बजे और मंगलवार की आधी रात को उत्तर कोरिया द्वारा प्योंगयांग के पास के इलाकों से पूर्वी सागर में दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाया। जेसीएस के हवाले से बताया कि दोनों मिसाइलें समुद्र में गिरने से पहले लगभग 400 किमी तक उड़ीं। जेसीएस के अनुसार, दागी गई मिसाइलों के सटीक प्रकार का निर्धारण करने के लिए सेना अभी भी उत्तर के नवीनतम मिसाइल प्रक्षेपण का विश्लेषण कर रही है। उत्तर कोरिया का नवीनतम मिसाइल प्रक्षेपण तब हुआ है, जब परमाणु ऊर्जा से चलने वाली अमेरिकी पनडुब्बी, यूएसएस अन्नापोलिस, उत्तर कोरिया के बढ़ते खतरों के खिलाफ संयुक्त निरोध को मजबूत करने के प्रयासों के तहत दक्षिण कोरिया के दक्षिणी द्वीप जेजू में एक नौसैनिक अड्डे पर पहुंची। उत्तर कोरिया ने 1 जुलाई को पूर्वी सागर में दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, इसके बाद 22 जुलाई को कई क्रूज़ मिसाइलें लॉन्च की गईं

श्रीलंका में अपना दूतावास बंद करेगा नॉर्वे

कोलंबो । नॉर्वे सरकार ने घोषणा की है कि वह 31 जुलाई को श्रीलंका में अपना दूतावास बंद कर देगी और 1 अगस्त से नई दिल्ली स्थित राजनयिक मिशन से संचालन करेगा। कोलंबो में नॉर्वेजियन दूतावास ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, यह फेसबुक पेज बंद हो जाएगा। हम आपको भारत, श्रीलंका और मालदीव के साथ हमारे चल रहे सहयोग पर अधिक अपडेट के लिए नई दिल्ली में नॉर्वेजियन दूतावास के पेज को फॉलो करने के लिए आमंत्रित करते हैं !इसमें कहा गया है, नई दिल्ली में नॉर्वेजियन दूतावास अब भारत, भूटान, श्रीलंका और मालदीव में नॉर्वे के लिए जिम्मेदार मिशन होगा, जिसकी अध्यक्षता भारत में नॉर्वेजियन राजदूत करेंगे। यह निर्णय नॉर्वेजियन विदेश मंत्रालय की उस घोषणा के महीनों बाद आया है जिसमें कहा गया था कि कोलंबो में नॉर्वे के दूतावास सहित उसके पांच विदेशी मिशन बंद कर दिए जाएंगे ।नॉर्वेजियन विदेश मंत्री एनिकेन ह्यूटफेल्ट ने सितंबर 2022 में घोषणा की थी कि देश अपने विदेशी मिशनों में कई बदलाव करेगा। नॉर्वे और श्रीलंका ने 1952 में राजनयिक संबंध स्थापित किए थे और कोलंबो में दूतावास 1996 में खोला गया था।

अटाकामा रेगिस्तान के अल्टिप्लानो में पड़ती है दुनिया की सबसे ज्यादा धूप

वॉशिंगटन । पृथ्वी पर सबसे ज्यादा धूप अटाकामा रेगिस्तान में मौजूद अल्टिप्लानो में पड़ती है। बता दें ?कि यह जगह चिली में एंडीज पहाड़ों के पास एक शुष्क पठार है। यहां इतनी ज्यादा धूप मिलती है, जितनी कि हमारे सौरमंडल के शुक्र ग्रह पर पड़ती है। अमेरिकी मौसम विज्ञान सोसायटी के जर्नल बुलेटिन में 3 जुलाई को प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर यह ठंडी और शुष्क जगह है। लगभग 4000 मीटर की ऊंचाई वाली इस जगह पर भूमध्य रेखा के करीब या अधिक ऊंचाई वाले स्थानों की तुलना में ज्यादा धूप मिलती है। जानकारी के अनुसार अटाकामा रेगिस्तान कई कारणों से विशेष है। यह पृथ्वी पर सबसे पुराना रेगिस्तान है। यह ध्रुवों से दूर सबसे शुष्क जगहों में से एक है। पर्यटकों के लिए रात के आकाश को देखने के लिए इसे सबसे साफ जगहों में से एक माना जाता है। चिली अल्टिप्लानो अपने सौर विकिरण या सूर्य से पृथ्वी पर उत्सर्जित प्रकाश ऊर्जा के उत्पादन के लिए भी जाना जाता है। हालां ?कि वैज्ञानिकों ने यहां पठार पर रेडिएशन 2,177 वाट प्रति वर्ग मीटर मापा है जो एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इसकी तुलना के लिहाज से पृथ्वी के वायुमंडल के शीर्ष पर यह रेडिएशन लगभग 1360 वाट प्रति वर्ग मीटर है। नीदरलैंड में ग्रोनिंगन यूनिवर्सिटी के जलवायु विज्ञानी राउल कोर्डेरो का कहना है कि यह उतना रेडिएशन है, जितना आपको शुक्र ग्रह पर गर्मियों में मिलेगा। उन्होंने इस तुलना को अविश्वसनीय बताया। ऐसा इसलिए क्योंकि पृथ्वी की तुलना में शुक्र सूर्य से 28 फीसदी करीब है। पठार पर औसत सौर विकिरण लगभग 308 वाट प्रति वर्ग मीटर है। यह भी विश्व रिकॉर्ड है, जो यूरोप और अमेरिकी पूर्वी तट में दर्ज किए गए आंकड़ों से दोगुना है। इसी तरह नासा के वायुमंडलीय वैज्ञानिक सेजी काटो के मुताबिक सोलर रेडिएशन वायुमंडल से धरती तक आने के दौरान बादलों की ओर से अवशोषित कर लिया जाता है। हालांकि यह एक ऐसी जगह जो जल वाष्प परत के ऊपर है और कम बादल हैं उन्हें अनिवार्य रूप से ज्यादा धूप मिलेगी। चिली के इतने धूपदार होने के पीछे दक्षिणी गोलार्ध में इसकी भौगोलिक स्थिति है।

जापान पुलिस ने एक व्यक्ति का सिर काटने के मामले में महिला और उसके माता-पिता को गिरफ्तार किया

तोक्यो। जापान के उत्तरी शहर साप्पोरो में तीन सप्ताह पहले एक होटल के कमरे में एक व्यक्ति की सिर कटी लाश मिली थी और इस मामले में एक महिला और उसके माता-पिता को गिरफ्तार किया गया है। जापान पुलिस ने यह जानकारी दी। जापान के उत्तरी मुख्य द्वीप पर होक्काइडो पुलिस ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने रूना तमुरा (29) और उसके मनोचिकित्सक पिता ओसामु तमुरा (59) को एक जुलाई से दो जुलाई की मध्य रात्रि में एक होटल के कमरे में पीड़ित का सिर काटने और उसके कटे हुए सिर को दूसरी जगह ले जाने की साजिश रचने के संदेह में एक दिन पहले गिरफ्तार किया था। पीड़ित हितोशी उरा (62) का सिर तब से गायब है। पुलिस ने मंगलवार को संदिग्धों के घर पर छापा मारा और मुख्य संदिग्ध की मां हिरोको तमुरा (60) जो कि अंशकालिक कामगार है को अपने परिवार के साथ सिर को घर पर ले जाके रखने की साजिश रचने के संदेह में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह नहीं बताया कि बेटी और पिता ने कैसे साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस अभी भी उनके इस कृत्य के मकसद की जांच कर रही है और उसने यह नहीं बताया कि महिला और पीड़ित एक-दूसरे को जानते थे या नहीं। पुलिस ने यह संज्ञान भी लिया कि सम्भावना है कि रूना एक मानसिक रोगी है। मीडिया रिपोर्टों में पड़ोसियों के हवाले से कहा गया है कि उसे स्कूल जाने में कठिनाई होती थी और वह बचपन से ही एकांतप्रिय थी।

अबू धाबी में पाया गया नया एमईआरएस कोरोना वायरस क्या है? डब्ल्यूएचओ ने इस पर क्या कहा

कोरोना वायरस ने इंसानी जीवन में दस्तक दी और दुनियाभर में लाखों जानें ली। पूरी दुनिया लंबे वक्त तक इसकी चपेट में रही। लेकिन कुछ महीने पहले ही विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से इसे वैश्विक महामारी की लिस्ट से बाहर कर दिया है। लेकिन अब संभावित घातक मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम कोरोना वायरस (MERS-CoV) का एक मामला दर्ज किया गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, MERS या मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम कोरोना वायरस का एक नया मामला सामने आया है। मीडिया ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का हवाला देते हुए ओमान की सीमा पर अबू धाबी के एक शहर में 28 वर्षीय व्यक्ति को एमईआरएस के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है। उस व्यक्ति को पिछले महीने एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उस व्यक्ति के संपर्क में रहने वाले कुल 108 लोगों की भी जाँच की गई थी। अभी तक कोई भी द्वितीयक संक्रमण सामने नहीं आया है। मरीज के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। हालांकि स्थिति के बारे में कोई विशेष विवरण सामने नहीं आया है, लेकिन डब्ल्यूएचओ ने कहा है, जैसा कि रिपोर्टों में उद्धृत किया गया है, ऐसे कोई संकेत नहीं थे कि वह आदमी ड्रोमेडरी ऊंटों के संपर्क में आया था।

अल्जीरिया की जंगल में लगी आग, 10 सैनिकों सहित 25 लोगों की मौत

अल्जीयर्स। अल्जीरिया के जंगलों में लगी आग में 25 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में आग बुझाने की कोशिश कर रहे 10 सैनिक भी शामिल हैं, जो तेज हवाओं और प्रचंड गर्मी के बीच आग की लपटों को नियंत्रित करने में जुटे थे। आंतरिक मंत्रालय ने सोमवार को कोई विस्तृत जानकारी दिए बगैर कहा कि कम से कम 1,500 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। आंतरिक मंत्रालय ने जंगल में आग लगने से 15 लोगों की मौत होने और 24 अन्य के घायल होने की पुष्टि की। बाद में रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की कि राजधानी अल्जीयर्स के बेनी कसीला पूर्व के रिजॉर्ट क्षेत्र में आग बुझाने के प्रयास में जुटे 10 सैनिकों की मौत हो गई और 25 लोग घायल हो गए। यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि लोगों की मौत कब हुई, लेकिन जंगलों में आग कई दिनों से लगी हुई है। आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि तेज हवाओं से जंगल में आग भड़क उठी और इसकी लपटें वन क्षेत्र से आगे खेतों की ओर फैलने लगीं। मंत्रालय के मुताबिक, लपटें 16 क्षेत्रों में फैल गईं, जिससे उत्तर अफ्रीकी देश में आग लगने की 97 घटनाएं हुईं।

यूनान में रोमानिया का एक फायरफाइटर जंगल की आग से बचे एक खरगोश को पानी पिलाते हुए।

सभी पाकिस्तानी भीख का कटोरा फेंक दे और आत्मनिर्भर बने : सेना प्रमुख

इस्लामाबाद । पाकिस्तान इनदिनों कंगाली की हालात से गुजर रहा हैं। हर बार विदेशी ऋण की आस में बैठे पाकिस्तान पर उसके ही सेना प्रमुख भड़क गए हैं। पाकिस्तानी सेना प्रमुख सैयद असीम मुनीर ने कहा कि देश को विदेशी ऋण पर निर्भरता को कम करना चाहिए। उन्होंने देश को आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकताओं को रेखांकित कर कहा कि पाकिस्तान एक गौरवान्वित, उत्साही और प्रतिभाशाली राष्ट्र है। सभी देशवासियों को भीख का कटोरा फेंक देना चाहिए। सेना प्रमुख ने खानेवाल मॉडल कृषि फार्म के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर कहा कि पाकिस्तान के पास सभी मूलभूत सुविधा मौजूद है। सेना प्रमुख ने कहा कि अल्लाह सर्वशक्तिमान ने पाकिस्तान को सभी आशीर्वादों से नवाजा है और दुनिया की कोई भी ताकत देश की प्रगति को रोक नहीं सकती है। जनरल मुनीर ने कहा कि देश मां की तरह होता है और लोगों और देश के बीच का रिश्ता प्यार और सम्मान का होता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और अर्थव्यवस्था एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और एक-दूसरे के लिए अपरिहार्य हैं। सेना प्रमुख मुनीर ने कहा कि पाकिस्तानी सेना को अपने राष्ट्र की सेवा करने पर गर्व है, उन्होंने कहा कि सेना को अपनी ताकत लोगों से मिलती है। जनरल मुनीर ने वादा किया कि जब तक पाकिस्तान मौजूदा संकट से बाहर नहीं निकल जाता, सेना आराम से नहीं बैठेगी।

भारत के पड़ोस में छिड़ा युद्ध? पाक ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती प्रांत पर किया हमला, तालिबान ने की जवाबी कार्रवाई

इस्लामाबाद।(एजेंसी)। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा आतंकवादी हमलों को लेकर इस्लामाबाद और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर द्वारा काबुल को धमकी दिए जाने के कुछ दिनों बाद पाकिस्तानी बलों ने अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत पर गोलाबारी की। रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तानी बलों ने अफगान सीमा पर कथित टीटीपी ठिकानों पर गोलाबारी की जिसके बाद तालिबान बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। अफगानिस्तान में टीटीपी की मौजूदगी को लेकर दोनों पक्षों के बीच तनाव के बीच यह झड़प हुई। कथित झड़प पर काबुल या इस्लामाबाद की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

पाकिस्तान ने इस सप्ताह अपने विशेष दूत को तीन दिवसीय यात्रा पर काबुल भेजा ताकि यह स्पष्ट संदेश दिया जा सके कि अंतरिम सरकार को टीटीपी के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करनी होगी। लेकिन अफ़गान तालिबान ने कई बैठकों के बाद उनसे कहा कि पाकिस्तान को बल प्रयोग के बजाय शांति का रास्ता अपनाना चाहिए। राजदूत आसिफ दुर्रानी ने अपनी यात्रा के दौरान अफगानिस्तान के कार्यवाहक

उप प्रधान मंत्री मावलवी अब्दुल कबीर, कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी अमीर खान मुत्ताकी और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की।

बंद दरवाजे की बातचीत से परिचित आधिकारिक सूत्रों ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया कि अफगान तालिबान नेतृत्व को स्पष्ट शब्दों में बताया गया था कि टीटीपी के मुकाबले पाकिस्तान का धैर्य कमजोर हो रहा है। विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलूच ने अपनी साप्ताहिक समाचार ब्रीफिंग में बताया कि आतंकवाद का मुद्दा, जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, पिछली ब्रीफिंग में भी पाकिस्तान के लिए गंभीर चिंता का मुद्दा है। पाकिस्तान ने इस मुद्दे को अफगान अधिकारियों के साथ कई मौकों पर और पाकिस्तान और अफगान अंतरिम अधिकारियों के बीच होने वाली हर महत्वपूर्ण बातचीत में उठाया है।

25 से 29 जुलाई तक भारत की यात्रा पर आएंगे अमेरिका के विशेष दूत केरी, जलवायु परिवर्तन पर करेंगे चर्चा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि जलवायु के लिए अमेरिका के विशेष दूत जॉन केरी 25 से 29 जुलाई तक नई दिल्ली और चेन्नई का दौरा करेंगे। यह यात्रा 19 जुलाई को केरी की चीन यात्रा

के बाद हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप कोई नया समझौता नहीं हुआ। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एक भाषण में कहा था कि चीन अपनी गति से कार्बन डाइऑक्साइड प्रदूषण को चरणबद्ध तरीके से खत्म करेगा।

अपनी चीन यात्रा पर बोलते हुए केरी ने कहा कि हमारे बीच बहुत स्पष्ट बातचीत हुई लेकिन हम यहां नई जमीन हासिल करने आए हैं। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि हमें थोड़ा और काम करने की जरूरत है। दिल्ली में केरी वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मिलेंगे और चेन्नई में वह जी20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता मंत्रियों (ईसीएसएम) की बैठक में भाग लेंगे।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि जलवायु के लिए विशेष राष्ट्रपति दूत जॉन केरी जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा पर साझा उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए 25-29 जुलाई को नई दिल्ली और चेन्नई, भारत की यात्रा करेंगे, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा और भंडारण समाधानों में निवेश के लिए एक मंच बनाने, शून्य-उत्सर्जन बसों की तैनाती का समर्थन करने और स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने के पारस्परिक प्रयास शामिल हैं। पिछली पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ईसीएसडब्ल्यूजी) की बैठक, जो 21 मई को हुई थी, वह भी भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत थी।

पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी का आदेश दिया

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने सोमवार कोइस्लामाबाद पुलिस को निर्देश दिया कि वह पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार कर मंगलवार को उसके समक्ष पेश करे। निर्वाचन आयोग ने अपनी अवमानना से जुड़े एक मामले में यह आदेश दिया है। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) सुनवाई से खान की लगातार अनुपस्थिति से नाराज था और उसने अवमानना मामले में पेश नहीं होने के लिए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ प्रमुख को गिरफ्तार करने का इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) को निर्देश दिया। ईसीपी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयोग के खिलाफ कथित तौर पर ''अमर्यादित'' का इस्तेमाल करने के लिए पिछले साल खान (70) और उनकी पार्टी के पूर्व नेताओं असद उमर और फवाद चौधरी के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू की थी।

ईसीपी के सदस्य निसार दुर्रानी की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय पीठ ने 11 जुलाई को पिछली सुनवाई में उमर को राहत देने के साथ-साथ खान और चौधरी के लिए गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। पीठ ने सुनवाई के लिए 25 जुलाई की तारीख निर्धारित की थी। नवीनतम आदेश में ईसीपी ने कहा कि 16 जनवरी और दो मार्च को खान के लिए नोटिस और जमानती वारंट जारी किए जाने के बाद भी वह ईसीपी के सामने पेश होने में विफल रहे थे।

चीन के अंतरिक्ष प्रोग्राम को लेकर अमेरिका के हाथ पांव फूले

वॉशिंगटन (एजेंसी)। चीन अमेरिका की प्रतिद्वंदता किसी से छिपी नहीं है। पिछले कुछ समय से अमेरिका का चीन को खतरे के तौर पर देखना ज्यादा बढ़ गया है। अमेरिकी विशेषज्ञ भी चीन की अमेरिका से आगे निकलने की कोशिशों की गंभीरता को चिंता का विषय मान रहे हैं। हाल में चीन ने जिस तेजी से अंतरिक्ष के क्षेत्र में प्रयास किए हैं अमेरिकी विशेषज्ञों की चिंता उससे कहीं आगे की है। चीन अंतरिक्ष के क्षेत्र की तरक्की को अमेरिकी चीन की सैन्य विस्तारवाद रवैये से जोड़ कर देख रहे हैं और उनके पास इस तरह के कई संकेत भी हैं, जो इशारा करता है कि अमेरिका को इस दिशा में सचेत होने की जरूरत है। हाल में डेविड इग्नेटियस ने अपने लेख में चीन की बढ़ती गतिविधियों के कारण पैदा होने वाली इन्हीं चिंताओं को रेखांकित किया है। 2007 में चीन ने पहला एंटीसैटेलाइट हथियार का परीक्षण किया था। उसके बाद से उसने इसतरह के सैटेलाइट की परीक्षण किया है जो दूसरे सैटेलाइट की खींच कर कक्षा से दूर ले जा सकते हैं।

इतना ही नहीं चीन ने इसतरह के स्पेसप्लेन भी बनाए हैं, जो कक्षा में वुस्तओं को पकड़ सकते हैं। अंतरिक्ष के निचले स्तर पर हवा में चीनी जासूसी गुब्बारे भी उड़ने लगे हैं। कुल मिलाकर चीन अंतरिक्ष की क्षमताओं का दोहन कर नियंत्रित करना चाहता है।

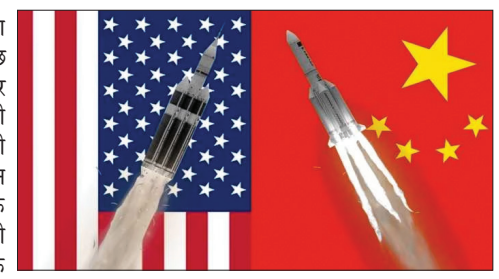

वहीं अमेरिका चीन की महत्वाकांक्षाओं को पहचानने में धीमा ही रहा। अपोलो अभियान के खत्म होने और फिर स्पेस शटल के रिटायर होने के बाद अमेरिका की रुचि खत्म होती दिखने लगी। लेकिन अमेरिका ने चीनी प्रयासों की प्रतिक्रिया देर से दी।

अमेरिका में पिछली सरकार में डोनाल्ट ट्रम्प ने अंतरिक्ष के सैन्य पहलू को ध्यान में रखते हुए स्पेस फोर्स नाम की सैन्य शाखा खोली। इग्नेटियस ने एस्पियन सिक्यूरिट फोरम पर चार विशेषज्ञों, यूएस स्पेस कमांड के प्रमुख जन. जेम्स एतच डिकिन्सन, स्पेस पॉलिसी के लिए असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ डिफेंस एफ प्लम्ब, ऑफिस ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी की असिस्टेंट डायरेक्टर एजीन उजो ओकोरो, और रॉकेट बनाने कंपनी यूनाइटेड लांच एलाएंस के चीफ एक्जीक्यूटिव साल्वाटोर टोरी ब्रूनो, सही ने इस मुद्दे पर माना की चीन एक तेजी से बढ़ता खतरा है। चीन के वर्चस्व के प्रयासों के जवाब सरकारी और निजी व्यवसायिक सैटेलाइट का विकसित होता समूह होगा जो पृथ्वी की निचली कक्षा में निगरानी नेटवर्क का विकास कर रहे हैं। प्लम्ब बातते हैं कि अमेरिकी रक्षा विभाग पैंटागन अंतरिक्ष के क्षेत्र में सक्रिय 130 से अधिक कंपनियों से साझेदारी कर रहा है। चीन इसकी बराबरी नहीं कर सकता है। लेकिन इस विषय पर ज्यादा जानकारी नहीं उपलब्ध नहीं है कि क्योंकि सरकार के मुताबिक क्लासिफाइड स्तर की जानकारी है। इग्नेटियस याद दिलाते हुए लिखते हैं कि उन्हें उम्मीद है कि अधिकारी 2021 में तत्कालीन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के वाइस चेयरमैन जन जॉन हेटन की सलाह को नहीं भूले, जिसमें उन्होंने कहा कि प्रतिरक्षा (डेटेरेंस) क्लासिफाइड संसार में नहीं होती है। फिर भी सूत्रों का कहना हैं कि अमेरिका इस मामले में हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा है।

पैंटागन के लीक दस्तावेजों से पता चलता है कि चीन अंतरिक्ष में एक तरह के साइबर वॉर की तैयारी कर रहा है जिससे वह अंतरिक्ष में सैटेलाइट को जाम कर सकता है अक्षम कर सकता है। चीन साइबर हमले का उपयोग कर सैटेलाइट को नियंत्रित कर सकता है जिससे वे संचार, हथियारों, इंटेलिजेंस, निगरानी तंत्रों को निष्प्रभावी तक कर सकता है।

कोपेनहेगेन में जलाई गई कुरान.....मुस्लिम देशों का गुस्सा सातवें आसमान पर

-कई मुस्लिम देशों ने घटना की निंदा की

कोपेनहेगन (एजेंसी)। कोपेनहेगेन में फिर इराक के दूतावास के बाहर कुरान को जलाकर उसका अपमान किया गया है। नए घटनाक्रम के बाद से ही दुनिया भर के मुसलमानों में नाराजगी है। यह घटनाक्रम इराक और कोपेनहेगन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और खराब कर सकता है। इराक ने घटना की निंदा कर कहा है कि बगदाद में दूतावास के डेनमार्क के कर्मचारियों को विरोध प्रदर्शन के बाद देश छोड़कर जाना पड़ गया था। जबकि डेनमार्क ने इससे इनकार कर दिया है।

डेनमार्क में इराक के दूतावास के बाहर कुरान जलाने की घटना को अंजाम देने वाले दोनों प्रदर्शनकारी डेनिश पैट्रियट्स ग्रुप से थे। इस ग्रुप की तरफ से ही 23 जुलाई को भी इसी तरह की घटना को अंजाम दिया गया था। इन?होंने फेसबुक पर इन घटनाओं को लाइव-स्ट्रीम किया था। दोनों देशों में आगजनी को लेकर कई हजार इराकियों ने शनिवार को बगदाद में प्रदर्शन किया। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ह अली खामेनेई ने कहा कि पवित्र कुरान का अपमान करने वाले लोगों को सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यूरोप के देशों डेनमार्क और स्वीडन में अभिव्यक्ति की आजादी के नियमों के तहत पवित्र कुरान को जलाने की मंजूरी दी गई है। इसके बाद ईरान और इराक में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। इराक में प्रदर्शनकारियों ने पिछले हफ्ते बगदाद में स्वीडन के दूतावास को आग लगा दी थी।

मुसलमान, कुरान को ईश?वर का वचन मानते हैं और यह उनके लिए बहुत पवित्र है। अगर कोई भी कुरान को जानबूझकर नुकसान पहुंचाता है या फिर इसके प्रति अनादर दिखाता है, तब इस बेहद अपमानजनक समझा जाता है। कोपेनहेगन में नई घटना की वजह से सना में हजारों प्रदर्शनकारियों ने एक रैली निकाली। रैली में शामिल लोगों ने इस तरह के कृत्यों की अनुमति देने के लिए डेनमार्क और स्वीडन दोनों पर गुस्सा व्यक्त किया। तुर्की ने इस घटना को

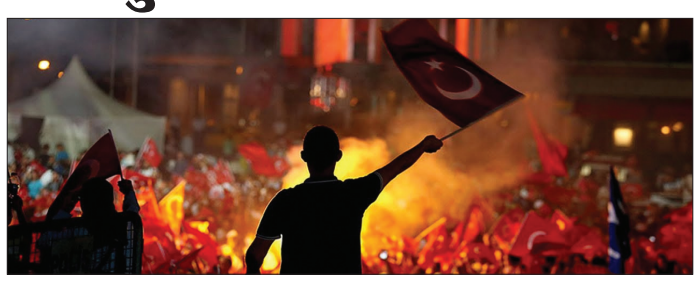

कुरान पर घृणित हमला कहा है। वहीं, अल्जीरिया के विदेश मंत्रालय ने कृत्यों की निंदा करने के लिए डेनिश राजदूत और स्वीडिश के विदेश मामलों के प्रभारी को बुलाया।

एक ट्वीट में, डेनमार्क के विदेश मंत्रालय ने कहा- डेनमार्क आज कुरान को जलाने की निंदा करता है। ये उत्तेजक और शर्मनाक कृत्य डेनिश सरकार के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। सभी से संयम की अपील है। हिंसा का जवाब हिंसा से कभी भी नहीं देना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की जड़ें काट रही सेना! बारामूला में लश्कर आतंकवादियों के दो सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की जड़ों को काटने के लिए लंबे समय से ऑपरेशन चल रहा है। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को खत्म करने के लिए सरकार ने अपने स्तर पर कश्मीर में सेना की टुकड़ियां चप्पे-चप्पे की जांच कर रही हैं। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकवादियों के दो सहयोगियों को मंगलवार को गिरफ्तार किया। पुलिस प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया, ''सुरक्षा बलों ने क्रीरी बारामूला के चक टप्पर गांव से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से हथियार, गोला-बारूद व अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की।'' प्रवक्ता के मुताबिक, चक टप्पर गांव में आतंकवादी गतिविधियों के बारे में सूचना मिली थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा, ''पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर चक टप्पर के बस स्टॉप पर वाहनों की जांच शुरू की। इस दौरान उन्हें दो संदिग्ध देखे। जब उन्हें रुकने का इशारा किया गया, तो वे भागने लगे, लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया।'' प्रवक्ता के अनुसार, तलाशी के दौरान दोनों संदिग्धों के कब्जे से दो चीनी पिस्तौल, पिस्तौल की दो मैगजीन, 14 जिंदा कारतूस, हथियार और गोला-बारूद सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार संदिग्धों की पहचान बांदीपोरा जिले के दयाम मजीद खान और उबैर तारिक के रूप में हुई है। प्रवक्ता के मुताबिक, क्रीरी पुलिस ने दयाम और उबैर के खिलाफ कानून की प्रासंगिक धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है।

आर्मी पब्लिक स्कूल के बच्चों के पास आ रहे पाकिस्तान नंबर से कॉल

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के नोएडा में आर्मी पब्लिक स्कूल के बच्चों को पाकिस्तान से फोन आ रहे हैं। इन फोन कॉल्स पर बच्चों से उनकी निजी और स्कूल से संबंधित जानकारियां मांगी जा रही हैं। पाकिस्तानी नंबरों से आए फोन कॉल्स में उनसे वॉट्सएप ग्रुप्स में जुड़ने के लिए कहा जा रहा है। इसके लिए ओटीपी भी उनके फोन पर आ रहे हैं। स्कूल प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेकर छात्रों के माता-पिता को इसतरह के कॉल्स रिसीव न करने के निर्देश दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नोएडा के आर्मी पब्लिक स्कूल के छात्रों को पाकिस्तानी खुफिया एजेंट्स के फोन आ रहे हैं। फोन पर छात्रों की पर्सनल जानकारी मांगी जा रही है। उनके माता-पिता के बारे में पूछा जा रहा है। इतना ही नहीं, कॉलर स्टूडेंट्स के पैरेंट्स से बोल रहे कि आप वॉट्सएप ग्रुप पर जुड़ जाएं क्योंकि नई क्लास शुरू होने वाली है। इसके लिए उन्हें ओटीपी भेजा रहा है। बताया जा रहा है कि जिन नंबर्स से फोन आ रहे हैं, वहां पाकिस्तान के नंबर्स हैं। स्कूल प्रशासन ने इसतरह के फोन कॉल्स को रिसीव न करने की एडवाइजरी जारी की है। छात्रों के माता-पिता से कहा गया है कि फिलहाल इसतरह के नंबरों को इग्नोर करें। अगर कॉल उठा लेते हैं, तब उन्हें किसी भी तरह की पर्सनल जानकारी न दें। हालांकि, मामले को लेकर जब स्कूल प्रशासन से बात करने की कोशिश की गई, तब उन्होंने कहा कि वह फिलहाल मामले की सुरक्षा को ध्यान में रख रहे हैं।

कमल हासन को कोयंबटूर लोकसभा क्षेत्र से उतर सकती हैं द्रमुक

चेन्नई)। तमिल सुपरस्टार और एमएनएम के संस्थापक अध्यक्ष कमल हासन के आम चुनाव में कोयंबटूर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक द्रमुक कमल हासन को कोयंबटूर सीट आवंटित कर सकता है। उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के वनाथी श्रीनिवासन से 1,728 वोटों के मामूली अंतर से हारकर भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। कमल ने कोयंबटूर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में एमएनएम के राज्य स्तरीय पहुंच अभियान मक्कालोडु मैयम का उद्घाटन किया।

एमएनएम तमिलनाडु के सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों में लोगों से मिलने की योजना बना रहा है, जिसमें पार्टी नेता और कैडर वार्ड और पंचायत स्तर पर लोगों से उनके सामने आने वाली परेशानियों पर मुलाकात करने वाले हैं। इसमें जन प्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में नजरअंदाज किए गए मुद्दे शामिल हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, एमएनएम जमीनी स्तर पर लोगों से मिले फीडबैक के आधार पर अपना चुनावी घोषणापत्र तैयार करेगी। पार्टी नेतृत्व ने कहा कि प्रत्येक वार्ड सचिव को गूगल फॉर्म में उनके क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं पर 25 बाइनरी प्रश्नों की एक लिस्ट दी गई है और फीडबैक का उपयोग प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र पर स्पष्ट तस्वीर प्राप्त करने के लिए किया जाएगा। एमएनएम के सूत्रों ने बताया कि पार्टी के कोयंबटूर जिले के पदाधिकारियों ने पहले ही तमिल सुपरस्टार से 2024 के लोकसभा चुनाव में कोयंबटूर सीट से चुनाव लड़ने की अपील की है। गौरतलब है कि कमल हासन ने हाल ही में तमिलनाडु की बस ड्राइवर शर्मिला को एक कार तोहफे में दी थी, जिसे डीएमके नेता कनिमोझी द्वारा संचालित बस में चढ़ने के विवाद के बाद नौकरी से निकाल दिया गया था। शर्मिला की बस के कंडक्टर से बहस हो गई, जिसने कनिमोझी से टिकट का किराया मांगा। इसके चलते बस के मालिक ने शर्मिला को नौकरी से निकाल दिया। कमल हासन ने उन्हें अपने चेन्नई स्थित घर पर आमंत्रित किया और उन्हें एक नई कार सौंपी, जिसे वह चला कर अपना गुजर-बसर कर सकें।

700 से ज्यादा म्यांमार नागरिक मणिपुर में घुसे

इंफाल (ईएमएस)। देश में सेना और नागरिक बलों के बीच चल रही झड़पों के कारण 301 बच्चों और 208 महिलाओं सहित लगभग 718 म्यांमार नागरिक मणिपुर के चंदेल जिले में प्रवेश कर चुके हैं। मणिपुर के मुख्य सचिव जोशी ने एक बयान में कहा ?कि राज्य सरकार ने असम राइफल्स से म्यांमार के नागरिकों को वापस भेजने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने तथ्यों और कारणों पर स्पष्टीकरण के लिए असम राइफल्स से एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है कि क्यों और कैसे इन 718 म्यांमार नागरिकों को उचित यात्रा दस्तावेजों के बिना चंदेल जिले में भारत में प्रवेश करने की अनुमति दी गई। जोशी ने आगे कहा कि राज्य सरकार ने सीमा सुरक्षा बल होने के नाते असम राइफल्स को केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के अनुसार वैध वीजा और यात्रा दस्तावेजों के बिना किसी भी आधार पर मणिपुर में म्यांमार के नागरिकों के प्रवेश को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा ?कि राज्य सरकार 718 शरणार्थियों के ताजा अवैध प्रवेश को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ गंभीरता से लेती है, क्योंकि विशेष रूप से चल रहे कानून और व्यवस्था के मुद्दों को देखते हुए इसके अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव हो सकते हैं। मुख्य सचिव ने कहा ?कि राज्य सरकार ने असम राइफल्स को उन 718 अवैध म्यांमार नागरिकों को तुरंत वापस भेजने की सख्त सलाह दी है। म्यांमार के नागरिकों ने शनिवार और रविवार को मणिपुर में प्रवेश किया और अब जिले के सात स्थानों लाजांग, बोन्से, न्यू समताल, न्यू लाजंग, यांग्नोम्फाई, यांग्नोम्फाई सॉ मिल और ऐवोमजंग में रह रहे हैं। ये सभी गांव म्यांमार सीमा से लगे हुए हैं। मुख्य सचिव ने चंदेल जिले के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक को स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने और ऐसे सभी व्यक्तियों के बायोमेट्रिक्स और तस्वीरें भी रखने को कहा है। इस बीच फरवरी 2021 में म्यांमार में सैन्य अधिग्रहण के बाद हजारों म्यांमारवासी मिजोरम भाग गए और उस देश के लगभग 35,000 पुरुष, महिलाएं और बच्चे अब पहाड़ी राज्य में रह रहे हैं। लगभग 5,000 म्यांमारियों ने भी पहले मणिपुर में शरण ली थी। मणिपुर की म्यांमार के साथ लगभग 400 किमी और मिजोरम की 510 किमी बिना बाड़ वाली सीमा है।

मेघालय के मुख्यमंत्री कार्यालय पर हमला, 5 सुरक्षाकर्मी घायल

रिभोई । मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा के तुरा स्थित कार्यालय पर सोमवार रात भीड़ के हमले के दौरान पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री को चोट नहीं आई है और वह तुरंत कार्यालय से बाहर नहीं निकल सके, क्योंकि कई लोगों ने परिसर को घेर लिया था और मार्गों को अवरुद्ध कर दिया था। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि बाद में प्रदर्शनकारियों को वहां से तितर-बितर कर दिया गया और पुलिस ने रात का कर्फ्यू लगा दिया। तुरा शहर को राज्य की शीतकालीन राजधानी बनाने की मांग को लेकर गारो हिल्स के नागरिक समाज संगठन पिछले कुछ दिनों से भूख हड़ताल पर हैं।

मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में विपक्षी दल, जानें क्या है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ओर जहां सरकार मणिपुर पर चर्चा को लेकर दोनों सदनों में गतिरोध दूर करने के लिए संसद में एक बड़ा विधायी प्रयास करने की योजना बना रही है। वहीं, दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन इंडिया लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना पर काम रहा है। सूत्रों ने इस बाद की जानकारी दी है। मंगलवार सुबह भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (ढ्ढहृष्ठढ्ढ) के घटक दलों की बैठक में नोटिस सौंपने के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। सूत्रों ने कहा कि सभी दल एक साथ हैं और राज्यसभा के लिए रणनीति बनाई जा रही है।

मोदी से बयान की मांग

आखिरी बार 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। संघर्षग्रस्त मणिपुर की स्थिति पर संसद में बोलने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को मजबूर करने के लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार करने के बाद, यह निर्णय लिया गया कि सरकार को इस मुद्दे पर चर्चा शुरू करने के लिए मजबूर करने का यह एक प्रभावी तरीका होगा। सूत्रों का कहना है कि अगर विपक्ष अपनी मांग पर अड़ा नहीं रहता है कि चर्चा शुरू होने से पहले दोनों सदनों में पीएम एक विस्तृत बयान देंगे तो नियम 267 के तहत मणिपुर पर आज उच्च सदन में चर्चा होने की संभावना है। फिलहाल आज भी दोनों सदनों में विपक्ष का हंगामा देखने को मिला।

संसद में हंगामा

इस बीच, मणिपुर में हिंसा पर विपक्षी दलों के विरोध के बीच लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सदस्यों ने इस मुद्दे को उठाने की कोशिश की और नारे लगाना शुरू कर दिया। स्पीकर ओम बिरला ने विरोध कर रहे सदस्यों से नारेबाजी नहीं करने को कहा और उनसे अपनी सीटों पर वापस जाने का अनुरोध किया। मणिपुर में जातीय हिंसा के खिलाफ विपक्षी दल प्रदर्शन कर रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बयान की मांग कर रहे हैं।

मन की बात बहुत हो चुकी...अब मणिपुर पर बात हो : राघव चड्ढा

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा है कि भारतीय संसदीय इतिहास में देखा गया है कि किसी भी सदस्य को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर देना, अति दुर्लभ स्थिति में चेयर द्वारा किया जाता है। गौरतलब है कि आप सांसद संजय सिंह को शेष बचे पूरे मानसून सत्र के लिए निलंबित किया गया है। आप का कहना है कि मणिपुर से हैवानियत भरी विडियो और फोटो आ रही है। इन वीडियो और फोटो को देखकर लगता है पूरे देश का दिल दहल गया है। राघव का कहना है कि अक्सर यह इसतरह के मामलों में किया जाता है, जब या तब किसी सदस्य ने चेयर के प्रति या किसी सदस्य के प्रति आक्रमण किया हो, एक्ट वॉयलेंस हुआ हो, कोई किताब फाढ़कर चेयर पर फेंकी हो या माइक तोड़ा हो या आपत्तिजनक चीज की हो। राघव ने कहा कि पहली बार देखा गया है कि देश की एक बर्निंग इश्यू के मुद्दे पर देश का एक अभिन्न अंग मणिपुर जल रहा है उस विषय पर बहस मांगने के लिए जब एक सदस्य चेयर के पास जाकर दरख्वास्त करने का प्रयास करते हैं उन को सस्पेंड कर दिया जाता है यह पहली बार देखा गया है। उन्होंने कहा कि यह महिला सुरक्षा का मुद्दा है राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है और इसकारण हम कहना चाहते हैं, कि विपक्ष की मांग क्या है। हम सभी साथियों की मांग क्या है कि मन की बात बहुत हो गई अब मणिपुर की बात हो। विपक्ष का कहना है कि देश की संसद में मानसून सेशन चल रहा है और सेशन में अगर मणिपुर की चर्चा नहीं होगी तब कहां होगी। विपक्ष लगातार नोटिस दर्ज कराकर अपनी बात रख रहा है कि रूल 267 के अंतर्गत बहस कराई जाए।

प्यार में पाकिस्तान पहुंचीं अंजू का परिवार बेहद आहत!

पुलिस जासूसी एंगल से भी कर रही है मामले की जांच, पड़ताल के लिए पैतृक गांव पंहुची

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ऐसे देश में, जो मित्रवत पड़ोसी नहीं है। भारत और पाकिस्कान के बीच करीब चार बार युद्ध हो चुका है और दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण रिश्ते हैं लेकिन प्यार ये सब कहां देखता है। कहते है कि प्यार तो अंधा होता है। प्यार के लिए बाधाओं का सामना करने और सीमाओं को पार करने के लिए साहस की आवश्यकता होती है। भले ही यह 'सात समंदर पार' न हो, फिर भी इसमें बहुत सारे जोखिम और कलंक जुड़े हुए हैं। तभी तो राजस्थान के भिवाड़ी की अंजू नाम की महिला अपने प्रेमी से मिलने के लिए सीमा पार कर जाने को लेकर सुर्खियां बटोर रही है। इस कदम को उठाने के बाद अंजू की पाकिस्तान से आयी सीमा हैदर के साथ उनकी तुलना होनी शुरू हो गयी है। पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर अपने PUBG प्रेमी के साथ रहने के लिए भारत में घुस आई थी।

फेसबुक मित्र से मिलने पाकिस्तान चली गयी बलिया के खरगपुरा गांव की बहू

भारतीय महिला अंजू के अपने फेसबुक मित्र से मिलने के लिए पाकिस्तान जाने की घटना के बाद से बलिया जिले में स्थित उसका ससुराल खरगपुरा गांव चर्चा में आ गया है, लेकिन यहां के लोग अपने गांव की बहू के इस कदम से नाखुश हैं। वे इस बात से दुखी हैं कि उनका गांव गलत वजह से चर्चा में है। खरगपुरा अंजू के पति अरविंद का पैतृक गांव है।

अंजू से शादी नहीं करेगा नसरुल्ला

अंजू के पाकिस्तानी मित्र नसरुल्ला ने सोमवार को कहा था कि अंजू वीजा की अवधि पूरी होने पर 20 अगस्त को स्वदेश लौट जाएगी। नसरुल्ला ने अंजू से प्रेम संबंध होने के दावों को भी खारिज कर दिया है। नसरुल्ला (29) ने कहा कि उसकी 34 वर्षीय अंजू से विवाह करने की कोई योजना नहीं है। नसरुल्ला और अंजू की दोस्ती 2019 में फेसबुक के माध्यम से हुई थी। उत्तर प्रदेश के कैलोर गांव में जन्मी अंजू राजस्थान के अलवर में रहती है। अंजू की 15 साल की बेटी और छह साल का बेटा है। उसका ससुराल बलिया जिला मुख्यालय से तकरीबन 40 किलोमीटर दूर रसड़ा-मऊ राजमार्ग से सटे खरगपुरा गांव में है।

अंजू के पाकिस्तान जाने से दुखी हैं उसके ससुराल खरगपुरा गांव के लोग

बलिया के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने कहा, हमें मीडिया के जरिए इस मामले की जानकारी मिली। इस मामले में पुलिस से जानकारी प्राप्त की जा रही है। रसड़ा के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) मोहम्मद फहीम कुरैशी ने मंगलवार को बताया कि अरविंद मूल रुप से बलिया जिले के रसड़ा थाना क्षेत्र में परसिया ग्राम सभा के खरगपुरा का निवासी है, लेकिन उसका परिवार राजस्थान में ही रहता है। सीओ कुरैशी ने बताया कि अरविंद का जन्म पैतृक गांव में हुआ था और वह ईसाई धर्म स्वीकार कर चुका है। उन्होंने बताया कि अरविंद के पिता शिवनाथ भिवाड़ी में काम करते थे और उसका अपने पैतृक गांव से कोई जुड़ाव नहीं रहा। 2014 के बाद से अरविंद कभी अपने पैतृक गांव नहीं आया है। सीओ ने बताया कि पुलिस सोमवार को खरगपुरा गई थी और उसने अरविंद को लेकर प्रारंभिक छानबीन की।

केवल एक बार देवर की शादी में शामिल होने गांव आयी थी अंजू

उन्होंने बताया कि अंजू, अरविंद के साथ केवल एक बार अपने देवर अनूप की शादी में शामिल होने के लिए 2014 में खरगपुरा आई थी। रिश्ते में अंजू की सास लगने वाली सुभावती ने बताया कि अरविंद के पिता शिवनाथ एवं मां ललिता देवी की मौत हो चुकी है। अरविंद की चाची सुभावती अपने बेटे कुणाल के साथ गांव में रहती है। सुभावती ने बताया कि अरविंद एवं अंजू की शादी 2007 में राजस्थान के भिवाड़ी में हुई थी और अंजू पहली बार 2014 में रिश्ते के अपने देवर अनूप की शादी में शामिल होने के लिए अपने ससुराल आई थी। सुभावती ने बताया कि उन्हें समाचार चैनलों से अंजू के पाकिस्तान जाने की खबर मिली और वह इस घटना से ''बहुत दुखी'' हैं।

संसद परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने बिस्तर लगा सजय सिंह ने दिया धरना

-कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों का मिला साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरे मॉनसून सत्र से निलंबित किए गए आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह पूरी रात संसद परिसर में ही धरने पर बैठे रहे। उनके साथ इस घरने में विपक्षी गठबंधन इंडिया के कई सांसद और नेता भी मौजूद रहे। गांधी प्रतिमा के सामने ही आप सांसद सिंह ने अपना बिस्तर लगा लिया। वह अपने साथ छोटकू पंखा भी लाए थे। मंगलवार सूर्योदय होने पर उन्होंने एक तस्वीर ट्विटर पर शेयर कर लिखा, हर रात की सुबह होती है। संसद का परिसर। बापू की प्रतिमा। मणिपुर को न्याय दो। इसके पहले आधी रात को सिंह ने गीत गाया वीडियो भी शेयर किया था। इसमें संजय सिंह गा रहे हैं, सर पर बांध कफन जो निकले, बिन सोचे परिणाम रे भईया। उनके साथ कांग्रेस और दूसरे दलों के भी नेता धरने में बैठे दिखाई देते हैं।

मंगलवार को धरनास्थल से ही सांसद सिंह ने कहा, सोमवार पूरी रात हम लोग गांधी प्रतिमा के सामने बैठे रहे। पूरा दिन बैठे रहे। हमारी एक ही मांग है, प्रधानमंत्री को मणिपुर की हिंसा पर जवाब देना होगा। सबसे ज्यादा शर्मसार करने वाली तस्वीर आई। महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराया जा रहा है। उसमें एक महिला का पति करगिल युद्ध में हिस्सा ले चुका है। आप कल्पना कीजिए कि सेना का रिटायर्ड सूबेदार कहता है कि मैंने करगिल युद्ध में हिस्सा लेकर देश की रक्षा कर ली लेकिन अपनी पत्नी की रक्षा नहीं कर सका।

रात में आप नेता ने वीडियो संदेश जारी कर कहा, मुझे संसद से सस्पेंड किया गया है और इसकी वजह सिर्फ इतनी थी कि मैंने प्रधानमंत्री जी से कहा कि आप मणिपुर की हिंसा पर आकर जवाब दीजिए। राज्यसभा सांसद और महिला कांग्रेस अध्यक्ष जेबी माथेर ने मंगलवार को कहा कि हम संदेश देना चाहते हैं, कि संजय सिंह जी अकेले नहीं हैं। पूरा विपक्ष एकजुट है।

दिल्ली सहित देशभर में तेजी से फैल रहा आई फ्लू

- आंख रोग विशेषज्ञों ने जाहिर की चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में इन दिनों तेजी से आई फ्लू यानी कंजंक्टिवाइटिस का संक्रमण फैल रहा है। दरअसल हर साल यह बीमारी फैलती है, लेकिन इस बार संक्रमण की रफ्तार तेज है। कुछ मामलों में इसका असर भी लंबे समय तक हो रहा है। हालत यह है कि दिल्ली के सभी प्रमुख आंखों के अस्पताल में कंजंक्टिवाइटिस के मामले 10 से 20 प्रतिशत तक बढ़े हैं। डॉक्टरों का कहना है कि यह संख्या और भी ज्यादा हो सकती है, लेकिन अपने आप ठीक होने की वजह से ज्यादातर लोग इलाज के लिए अस्पताल नहीं जाते हैं।

एम्स के आरपी सेंटर के प्रमुख डॉ.जे एस तितियाल ने कहा कि इमरजेंसी में रोजाना 25 से 30 मामले आ रहे हैं और ओपीडी को मिलाकर लगभग 100 मरीज हो जा रहे हैं। आमतौर पर एक से दो हफ्ते में यह अपने आप ठीक हो जाता है। लेकिन, कई बार साथ में बैक्टीरियल इन्फेक्शन जुड़ जाता है और यह ज्यादा खतरनाक् हो जाता है।

सेंटर फॉर साइट के चीफ डॉ. महिपाल सचदेव ने कहा कि पिछ्ले कुछ दिनो में संक्रमण दो से तीन गुणा बढ़ गया है। दिल्ली ही नहीं, पूरे देश में यह फैल रहा है। हैदराबाद, भोपाल, इंदौर, सभी जगह हो रहा है। अभी स्थिति कंट्रोल में है, लेकिन जिस तेजी से यह फैल रहा है यह एपिडेमिक का रूप ले सकता है। गुरु नानक आई सेंटर की प्रमुख डॉ. कीर्ति सिंह ने कहा कि ओपीडी में 10 से 20 प्रतिशत तक मामले बढ़ गए हैं।

ज्ञानवापी मामले से जुड़ी अन्य याचिकाओं पर सुनवाई पूरी, 28 अगस्त को होगा फैसला

नई दिल्ली। (एजेंसी)। ज्ञानवापी मस्जिद-काशी विश्वनाथ मंदिर भूमि स्वामित्व विवाद से संबंधित कई याचिकाओं में पक्षों से कुछ स्पष्टीकरण मांगने के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने आज मामले में सुनवाई पूरी की और मामलों पर फैसला सुनाने की तारीख 28 अगस्त तय की। न्यायालय के समक्ष दायर याचिकाओं में वाराणसी अदालत के समक्ष दायर एक मुकदमे की स्थिरता को चुनौती भी शामिल है, जिसमें उस स्थान पर एक मंदिर की बहाली की मांग की गई है जहां ज्ञानवापी मस्जिद मौजूद है।

पीठ के समक्ष एक और याचिका अंजुमन मस्जिद समिति ने वाराणसी कोर्ट के 2021 के आदेश को चुनौती दी है। मस्जिद परिसर का पुरातात्विक सर्वेक्षण किया जाए ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि 17 वीं शताब्दी में ज्ञानवापी मस्जिद के निर्माण के लिए एक हिंदू मंदिर को आंशिक रूप से तोड़ा गया था या नहीं। गौरतलब है कि वाराणसी न्यायालय के समक्ष लंबित मामले की कार्यवाही पर सितंबर 2021 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी थी, साथ ही एएसआई सर्वेक्षण आदेश पर भी प्रभावी रूप से रोक लगा दी थी।

वाराणसी कोर्ट का आदेश स्वयंभू ज्योतिर्लिंग भगवान विश्वेश्वर की ओर से वकील विजय शंकर रस्तोगी द्वारा दायर याचिका पर आया था। आवेदन वर्ष 1991 में प्राचीन मूर्ति स्वयंभू भगवान विश्वेश्वर और 5 अन्य द्वारा दायर एक मुकदमे में दायर किया गया था, जिसमें उस भूमि की बहाली का दावा किया गया था जिस पर ज्ञानवापी मस्जिद हिंदुओं के लिए है। मुकदमे में वादी ने यह घोषित करने की मांग की कि जिस जमीन पर मस्जिद बनी है वह हिंदुओं की है। जैसा कि सर्वविदित है, भूमि स्वामित्व विवाद कथित तौर पर काशी विश्वनाथ मंदिर के खंडहरों पर बनी ज्ञानपवी मस्जिद से संबंधित है। मुकदमे को एचसी के समक्ष चुनौती दी गई है और उक्त चुनौती को विवाद से संबंधित कई मामलों के साथ जोड़ दिया गया है। पिछले साल, न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की पीठ ने मामलों में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था, हालांकि, अदालत ने इस साल मई में कुछ स्पष्टीकरण मांगे थे और इसलिए, मामलों को नियमित अंतराल पर सूचीबद्ध किया गया था। अब सभी याचिकाओं पर सुनवाई पूरी हो चुकी है।

15 से 24 जनवरी, 2024 के बीच होगी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

-पीएम मोदी को आमंत्रण पत्र भेजा गया

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक के दूसरे दिन मंदिर निर्माण प्रगति के साथ प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों पर मंथन किया गया। ट्रस्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 15 से 24 जनवरी, 2024 के बीच रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र भेज दिया है। जल्दी इसकी तिथि भी तय होगी। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बैठक की जानकारी दी। भगवान श्री रामलला का भव्य मंदिर बिना बाधा के बने, इसके लिए अनेक प्रकार के अनुष्ठान चल रहे हैं।

राय ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर अयोध्या की स्थिति क्या होगी, उस पर अनुभवी लोगों के साथ 3 घंटे से अधिक देर तक चर्चा हुई है। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए भगवान की प्रतिमा बन रही है। मंदिर में दरवाजे लगाए जाने के लिए कार्य भी चल रहे हैं। इन सभी का रूप का भी विजिट किया गया। उन्?होंने बताया कि मंदिर के खंभों में देवी देवताओं की मूर्तियां बनी हैं जिसकी संख्या 6000 से अधिक होगी। अभी फिलहाल भूतल पर कुछ खंभों का चयन किया गया है उस पर मूर्ति कैसी बन रही है इसका अध्ययन किया गया लोवर खंभों पर कुछ पैनल बनने हैं, जो वाल्मीकि रामायण पर आधारित होंगी। इस पर भी मंथन किया गया है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर दो सिंबल 2 गज एक हनुमान जी और एक गरुण जी की मूर्ति बनेगी। यहां कैसे और किस पत्थर से तैयार किया जाएगा, इस पर विस्तारपूर्वक चर्चा किया गया है। तय किया गया है जिस पत्थर से राम मंदिर का निर्माण हो रहा है, उन्हीं पत्थरों से इन मूर्तियों को भी तैयार किया जाएगा। परकोटा में भी 6 मंदिर बनने हैं। उन मंदिरों के लिए मूर्तियों को टाइप किए जाने के लिए ट्रस्ट का एक डेलिगेशन अगस्त में राजस्थान पहुंचेगा। इसमें महासचिव चंपत राय, सदस्य डॉ अनिल मिश्रा, कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी, आर्किटेक्ट आशीष सोनपुरा सहित अन्य लोग शामिल हो सकते हैं। भगवान श्री रामलला का भव्य मंदिर बिना बाधा के बने, इसके लिए अनेक प्रकार के अनुष्ठान चल रहे हैं। इस समय तीर्थ क्षेत्र भवन रामकोट में ऋग्वेद सामवेद कृष्ण यजुर्वेद शुक्ल यजुर्वेद के मंत्रों की आहुतियां चल रही हैं। बाल्मीकि रामायण और श्रीमद्भागवत का भी पाठ चल रहा है। इसके लिए काशी के वेद विद्वान और महाराष्ट्र के वैदिक आचार्य अलग-अलग

अनुष्ठान कर रहे हैं। 2022 से मंदिर निर्माण होने तक वैदिक मंत्रों का उच्चारण और हवन भी चल रहा है। इसके लिए महाराष्ट्र के 5 वैदिक 15 दिन के अंतराल पर यह अनुष्ठान कर रहे हैं। राय ने बताया कि 20 सदस्य प्राण प्रतिष्ठा प्रबंधन से जुड़े लोग पिछले अप्रैल से हर 15 दिन पर बैठक कर रहे हैं। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह सुरेश जोशी उर्फ भैयाजी जोशी भी मौजूद रहे। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए भगवान की प्रतिमा को तराशने का काम तीन मूर्ति विशेषज्ञों की टीमें कर रही हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

हत्यारा रईशजादा और उसके रेपिस्ट पिता का नया ठिकाना अहमदाबाद की साबरमती जेल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद, शहर के इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना के मुख्य आरोपी तथ्य पटेल और उसके पिता प्रज्ञेश पटेल का नया ठिकाना है अहमदाबाद की साबरमती सेंट्रल जेल। साबरमती जेल में तथ्य पटेल कैदी नंबर 8683 और उसके पिता प्रज्ञेश पटेल को 8626 के नाम से पहचाना जाएगा। बता दें तथ्य पटेल कि 19 जुलाई की रात अहमदाबाद के एसजी हाईवे स्थित इस्कॉन ब्रिज पर तेज रफ्तार जगुआर कार से कई लोगों को उड़ा दिया था। जिसमें 9 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी।

तथ्य पटेल पटेल के पिता प्रज्ञेश पटेल पेशे से बिल्डर है और उसके खिलाफ गैंगरेप का केस चल रहा है। इस्कॉन दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंचे प्रज्ञेश पटेल ने वहां मौजूद पुलिस समेत लोगों को धमकाया था।

इतना ही अपने बेटे तथ्य पटेल को घटनास्थल से भगा ले गया था। पुलिस ने तथ्य पटेल और प्रज्ञेश पटेल को गिरफ्तार किया था। बीते दिन रिमांड पूर्ण होने पर कोर्ट ने तथ्य पटेल और प्रज्ञेश पटेल को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जेल में तथ्य पटेल को कैदी नंबर 8683 के रूप में पहचान मिली है। वहीं उसके पिता प्रज्ञेश पटेल जो खुद की गोता का किंग बताता था, उसे कैदी नंबर 8626 पहचाना जाएगा।

इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना

तथ्य पटेल के दोस्त ही कोर्ट में देंगे उसके खिलाफ गवाही

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

शहर के इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना के मुख्य आरोपी तथ्य पटेल के दोस्त ही उसकी पोल खोलेंगे । घटना के वक्तकार में सवार तथ्य के पांच दोस्त कोर्ट में उसके खिलाफ गवाही देंगे। जो दोस्त कभी साथ में बैठकर खाते-पीते और मौज मस्ती करते थे, वही अब तथ्य का राज खोलेंगे। बता दें कि 19 जुलाई को अहमदाबाद के इस्कॉन ब्रिज पर तेज रफ्तार जगुआर कार की चपेट में आकर 10 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के वक्त जगुआर कार तथ्य पटेल चला रहा था। उसके साथ कार में श्रेया, ध्वनि, मालविका, शान और आर्यन भी मौजूद थे। इस मामले में गिरफ्तार तथ्य पटेल और उसके पिता प्रज्ञेश पटेल को रिमांड पूर्ण होने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। दूसरी ओर तथ्य पटेल के दोस्त श्रेया, ध्वनि, मालविका, शान और आर्यन के चीफ ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट पीए परमार के समक्ष सीआरपीसी 164 के तहत बयान कलमबद्ध कर लिया गया है। इन सभी गवाहों के बयान वीडियोग्राफी के साथ लिए गए हैं। तथ्य पटेल के खिलाफ कोर्ट में उसके सभी दोस्त गवाही देंगे।

गले में दुपट्टा लटका दुपट्टा 5 साल की बच्ची के लिए फांसी का फंदा बना

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत से परिवारों को खासकर जिनके यहां छोटे बच्चे हैं उनको सतर्क करने वाली घटना सामने आई है। सूरत के अमरोली में गले में दुपट्टा लटका कर घूम रही बच्ची के लिए दुपट्टा गले में कस गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक उडीसा के गंजाम के मूलनिवासी मनोजकुमार जैना अपनी पत्नी और 5 साल की बेटी के साथ सूरत के अमरोली क्षेत्र में रहते हैं और लूम्स के कारखाने में काम करते हैं। गत 21 जुलाई को मनोजकुमार किसी काम से बाहर गएथे। घर में उनकी 5 साल की बेटी मोबाइल पर गेम खेल रही थी और उसकी माता रसोई बना रही थी। मोबाइल पर नेटवर्क नहीं मिलने से मासूम बच्ची खिड़की के निकट पहुंच गई, जहां पैर फिसलने से उसके गले में लटका दुपट्टा फांसी का फंदा बन गया। माता ने अपनी बेटी को आवाज लगाई तो कोई जवाब नहीं मिला। जिससे वह उस रूम में पहुंच गई जहां बेटी मोबाइल पर गेम खेल रही थी। कमरे में बेसुध पड़ी बेटी को लेकर माता तुरंत अस्पताल पहुंची। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर की बात सुनते ही माता की आक्रंद करने लगी, जिसे वहां मौजूद लोगों की भी आंखें भर आईं। घटना की खबर मिलते ही अमरोली पुलिस अस्पताल पहुंच गई और दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरूकी।

देश में सर्वप्रथम सेमीकंडक्टर पॉलिसी घोषित कर गुजरात ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र को दिया प्रोत्साहनः मुख्यमंत्री

'सेमीकॉन इंडिया 2023' गांधीनगर में 'सेमीकॉन इंडिया 2023' प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में 'सेमीकॉन इंडिया 2023' के अंतर्गत आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर भी मौजूद रहे। प्रदर्शनी के शुभारंभ के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि सेमीकंडक्टर आधुनिक उद्योग जगत की मूलभूत आवश्यकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, टेलीकम्युनिकेशन, ऑटोमोटिव और हेल्थकेयर जैसे विभिन्न उद्योग में सेमीकंडक्टर की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसलिए ही गुजरात, देश में सबसे पहले सेमीकंडक्टर पॉलिसी की घोषणा कर इस क्षेत्र को पर्याप्त प्रोत्साहन दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज सेमीकंडक्टर क्षेत्र में गुजरात देश में अग्रणी भूमिका अदा कर रहा है। देश और दुनिया की सेमीकंडक्टर चिप कंपनियों द्वारा गुजरात में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश करने से राज्य में रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेमीकॉन इंडिया 2023 सम्मेलन से पहले इस क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करने के लिए

गुजरात सरकार के प्रयासों से सेमीकंडक्टर क्षेत्र में देश का एपिसेंटर बन गया है गुजरातः केंद्रीय मंत्री

इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रिया और उस क्षेत्र में हुई प्रगति को दर्शाया गया है, जो इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले उद्योगों के अलावा आम नागरिकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगी। उन्होंने कहा कि यह गुजरात की इंजीनियरिंग और विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के लिए सेमीकंडक्टर चिप निर्माण की जटिल प्रक्रियाओं को समझने का सुनहरा मौका है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि विद्यार्थी इस प्रदर्शनी के विभिन्न स्टॉलों से सेमीकंडक्टर उद्योग से संबंधित सभी जानकारी हासिल कर भरपूर ज्ञान प्राप्त करेंगे और इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रदर्शनी उद्योग जगत के आगंतुकों के लिए सेमीकंडक्टर उद्योग के अनुभवी लोगों के साथ संपर्क करने, अपने उत्पादों के बारे में बताने, ग्राहक आधार बढ़ाने तथा अपने उद्योग का एक नए सेक्टर में विस्तार करने के लिए नए अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रदर्शनी की मदद से गुजरात के उद्योगपतियों को सेमीकंडक्टर उद्योग की आवश्यकताओं को समझकर, माइक्रोन टेक्नोलॉजी सहित सेमीकंडक्टर उद्योग से जुड़े अन्य व्यवसायों की प्रगति में अपना योगदान देना चाहिए और साथ ही, भविष्य के लिए भी भारत एवं गुजरात में आने वाली अन्य कंपनियों के सप्लाई पार्टनर बनने के अवसर का लाभ उठाकर अपने उद्योगों का विस्तार करना चाहिए।

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com